सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बीएसडी इंद्रप्रस्थ एकेडमी संवारेगी छात्रों का उज्ज्वल भविष्य पेज: 4

मेरे करियर के हर पड़ाव पर पति करण बड़ा सपोर्ट बनकर सामने पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 136 | गुरुवार 20 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

इंस्टाग्राम पर पीएम मोदी की माला चढ़ी हुई तस्वीर, बीजेपी ने की थाने में शिकायत

रांची (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट के विरुद्ध बीजेपी ने रांची के साइबर थाने में लिखित शिकायत की है और आरोपितों के विरुद्ध इंटरनेट मीडिया पर अमर्यादित सामग्री प्रसारित करने का आरोप लगाया है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने इस मामले में निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि इंस्टाग्राम पर ऋषिकेश चौहान नाम के अकाउंट से पीएम मोदी के चित्र पर माला चढ़ी हुई तस्वीर व इससे जुड़ी सामग्री पोस्ट की गई है। उसमें अंतिम संस्कार से संबंधित शब्दावली का इस्तेमाल किया गया है। एक जीवित प्रधानमंत्री को मृत दर्शाना अत्यंत गंभीर व आपत्तिजनक है। मीडिया रिपोर्ट अजय साह ने पुलिस से मांग की है कि संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट की आइपी लाग, लागिन हिस्ट्री, डिवाइस डिटेल, लिंक्ड मोबाइल नंबर, ईमेल, मेटा डाटा व अन्य डिजिटल साक्ष्य को विधि के मुताबिक सुरक्षित रखा जाए और सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जाए। इधर, साइबर थाना रांची का कहना है कि शिकायत मिली है, उसका सत्यापन किया जाएगा और उसके बाद उस आवेदन पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पूरे मामले को संवेदनशील होकर देखा जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में दो दिन में दो होटलों में लगी आग से 18 की मौत, मचा हड़कंप

-कई मृतक बांग्लादेशी नागरिक थे जो इलाज कराने भारत आए थे, जांच शुरु

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में लगातार दो बड़े होटलों में अग्निकांड से हड़कंप मच गया है। कोलकाता और बीरभूम जिले के धार्मिक स्थल तारापीठ में हुई अलग-अलग आग की दुर्घटनाओं में कुल 18 लोगों की जान चली गई। पुलिस और अग्निशमन विभाग दोनों मामलों में होटल प्रबंधनों द्वारा फायर सेफ्टी नियमों के उल्लंघन की गहन जांच कर रहे हैं। होटल में ठहरे कई मेहमान बांग्लादेशी नागरिक थे जो इलाज के लिए कोलकाता आए थे। बचाव दल मौके पर पहुंचे और इमारत से कई लोगों को बाहर निकाला। रात 3 बजे के बाद, 9 लोगों को बचाया गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फायर विभाग ने बताया कि सभी मृतक बांग्लादेशी नागरिक थे जो इलाज के लिए शहर में आए थे। अधिकारी इन आरोपों की जांच कर रहे हैं कि होटल में आग से सुरक्षा के पर्याप्त उपाय और उचित इंतज़ाम नहीं थे। अधिकारियों ने अभी तक आग लगने के सही कारण का पता नहीं लगाया है। जांच जारी है। कोलकाता में आग की यह घटना बंगाल के बीरभूम ज़िले के एक होटल में लगी आग के ठीक एक दिन बाद हुई है। सोमवार को तड़के करीब 4 बजे तारापीठ में चार मंज़िला होटल के ग्राउंड फ्लोर पर आग लग गई, जब ज़्यादातर मेहमान सो रहे थे। आग की लपटें दूसरी मंज़िल तक फैल गईं, जबकि घने धुएं ने इमारत के ऊपरी हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कई मेहमान अपने कमरों में फंस गए। इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई, जिनमें मेघालय के एक परिवार के 5 सदस्य भी शामिल थे। पुलिस ने होटल के मालिक कल्याण पाल समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई होटल में आग से सुरक्षा नियमों के संभावित उल्लंघन की जांच के तहत की गई है।

जम्मू-कश्मीर की समस्याओं का समाधान नई दिल्ली करेगी, न कि वॉशिंगटन

-सर्जियो के साथ बैठक से पहले सीएम उमर बोले- दूसरे से शिकायत करना गलत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ बैठक से पहले एक साफ कूटनीतिक दायरा तय किया और अटकलों को शांत करने की कोशिश की। उन्होंने साफ कहा कि जम्मू-कश्मीर की समस्याओं का समाधान नई दिल्ली करेगी, न कि वॉशिंगटन। बुधवार सुबह श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए सीएम उमर अब्दुल्ला ने साफ किया कि हालांकि वह स्थानीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे, लेकिन वह इस बैठक का इस्तेमाल किसी विदेशी राजनयिक के सामने भारत की शिकायत करने के लिए बिल्कुल नहीं करेंगे।

अब्दुल्ला ने साफ कहा कि वॉशिंगटन हमारी समस्याओं का समाधान नहीं करेगा। हमारी केंद्र सरकार को ही हमारी समस्याओं का समाधान करना होगा। किसी दूसरे देश के राजदूत से शिकायत करना गलत होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रीनगर में अमेरिकी राजदूत के साथ बुधवार को प्रस्तावित बैठक में अंतरराष्ट्रीय मुलाकातों के लिए तय प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। उमर ने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर और वहां के हालात के बारे में बात करूंगा, लेकिन शिकायत नहीं करूंगा। मैं उनसे अपनी समस्याओं का समाधान खोजने की कोशिश भी नहीं करूंगा। यह देखते हुए कि 15 से ज्यादा सालों में यह पहली बार है जब जम्मू-कश्मीर का कोई मौजूदा सीएम किसी मौजूदा अमेरिकी राजदूत से मिल रहा है। अब्दुल्ला ने कहा कि ज्यादातर, मैं उनकी बात सुनना पसंद करूंगा। हालांकि वह भी सुनने ही आ रहे हैं।

यह हाई-प्रोफाइल मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब जम्मू-कश्मीर की क्षेत्रीय पार्टियां राज्य का दर्जा पूरी तरह बहाल करने और संवैधानिक गारंटी की सक्रिय रूप से मांग कर रही हैं, जहां विश्लेषक इस बैठक को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अहम संदेश के तौर पर देख रहे हैं क्योंकि गोर दक्षिण और मध्य एशिया के लिए वॉशिंगटन के विशेष दूत की दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। वहीं सीएम अब्दुल्ला ने अपने संबोधन में विदेशी मध्यस्थता या आंतरिक मतभेदों से जुड़ी किसी भी अटकल को पहले ही शांत करने की कोशिश की।

राहुल, सोनिया और प्रियंका गांधी वाड्रा को हटा दें, तब कांग्रेस में शामिल होऊंगा

पूर्व भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भारतीय जनता पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने फैसले की वजह खुलकर आर्थिक और व्यक्तिगत कारणों को बताया है, जिसका जिक्र उन्होंने हाल ही में इंटरव्यू में किया था। हालांकि, भाजपा ने अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है।

पूनावाला ने स्पष्ट किया कि राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं को कोई वेतन नहीं देते, जबकि उन्हें अपनी रोजमर्रा की जरूरतों जैसे मकान किराया आदि का भुगतान करना होता है। उन्होंने कहा, मेरा मकान मालिक घर इसलिए मुफ्त में नहीं दे देगा, क्योंकि मैं भाजपा से हूं। वहां हर महीने की 1 तारीख को किराया मांगता है। उन्होंने जोड़ा कि किसी राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना नौकरी नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, व्यक्ति या संगठन के प्रति प्रेम

का परिणाम होता है। उन्होंने बताया कि वह 2024 से ही इस्तीफे पर विचार कर रहे थे और इस दौरान कई नेताओं ने उनसे संपर्क भी साधा था।

कांग्रेस में शामिल होने के सवाल पर पूनावाला ने भले ही सीधे इंकार किया हो, लेकिन उन्होंने कुछ ऐसी शर्तें रखीं जो अवास्तविक लगती हैं। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस में तभी शामिल हो सकते हैं, जब राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को हटा दिया जाए और नेहरू के कार्यों के लिए माफी मांगी जाए। खास बात यह है कि पूनावाला स्वयं 2021 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी वैचारिक निष्ठा दिखाकर कहा कि पीएम मोदी से बड़ा नेता इस देश में न कोई हुआ है और न ही कोई होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा इस समय भारत की सबसे अच्छी पार्टी है और राष्ट्रीय प्रवक्ता के तौर पर काम करने के बाद वह किसी अन्य पार्टी से जुड़ने के बारे में नहीं सोचते। उनके त्याग पत्र में भी आर्थिक मजबूरियों का हवाला देकर मोदी जी के विजन के समर्थन की बात कही गई है।

हरियाणा में अग्निवीरों को तोहफा : 6 सरकारी नौकरियों में 20 प्रतिशत आरक्षण

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा की नायाब सैनी सरकार ने सेना से लौटे अग्निवीरों के लिए महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव किया है, इसके तहत उन्हें विभिन्न सरकारी नौकरियों में विशेष आरक्षण और भर्ती प्रक्रिया में छूट मिलेगी। यह नई व्यवस्था आगामी 1 सितंबर से लागू होगी, जिसका उद्देश्य सैन्य सेवा और प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त कौशल को सम्मान देना और उनके लिए नई राहें खोलना है। सबसे बड़ा लाभ पुलिस कांस्टेबल, वन रक्षक, जेल वार्डर, माइनिंग गार्ड, वन्य जीव गार्ड और फायर ऑपरेटर सह चालक सहित छह महत्वपूर्ण पदों पर मिलेगा, जहाँ अग्निवीरों को 20 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया जाएगा। इस आरक्षण के अंतर्गत वंचित अनुसूचित जाति (2 प्रतिशत), अन्य अनुसूचित जाति (2 प्रतिशत), बीसी-ए (3 प्रतिशत), बीसी-बी (2 प्रतिशत), ईडब्ल्यूएस (2प्रतिशत) और अनारक्षित श्रेणियों (9 प्रतिशत) के लिए कोटा निर्धारित किया है। इसके अतिरिक्त, अन्य ग्रुप-सी पदों पर पूर्व अग्निवीरों के लिए 5 प्रतिशत और कौशल विशेषज्ञता से संबंधित ग्रुप-बी पदों पर 1 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इतना ही नहीं पुलिस कांस्टेबल और अन्य संबंधित पदों के लिए आवश्यक फिजिकल स्क्रीनिंग टेस्ट (पीएसटी) से उन्हें छूट दी जाएगी। ग्रुप-सी पदों की भर्ती के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) से भी छूट का मौजूदा प्रावधान जारी रहेगा। साथ ही, सैन्य प्रशिक्षण से संबंधित कौशल विशेषज्ञता वाले पदों पर कौशल परीक्षा से भी उन्हें छूट प्राप्त होगी। हालांकि, इन सभी छूटों के बावजूद, विज्ञापित पद के लिए भर्ती एजेंसी द्वारा निर्धारित लिखित परीक्षा देना पूर्व अग्निवीरों के लिए अनिवार्य रहेगा। मानव संसाधन विभाग द्वारा जारी इन दिशा-निर्देशों ने सरकार के पुराने आदेशों को रद्द किया है, इससे अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में एक सुव्यवस्थित और प्राथमिकता आधारित प्रवेश मिल सकेगा।

डीजेबी टेंडर घोटाले में एसीबी ने आप नेता सत्येंद्र जैन को किया गिरफ्तार

-वित्तीय जांच में रिश्वत और कमीशन के पैसे के लेनदेन की श्रृंखला उजागर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के आधुनिकीकरण में अनियमितताओं और आपराधिक साजिश के मामले में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व जल मंत्री सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया है। इस मामले में सत्येंद्र जैन के अलावा दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सीईओ व पूर्व आईएएस अधिकारी उदित प्रकाश राय, पूर्व संविदा सलाहकार अंकित श्रीवास्तव और तीन निजी संस्थाओं और कंपनियों के मालिकों नागेंद्र यादव, राजा कुमार कुरर एवं पंकज वर्मा को भी गिरफ्तार किया है। एसीबी प्रमुख एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त विक्रमजीत सिंह के बयान के मुताबिक ये गिरफ्तारियां एफआईआर के बाद की गईं थीं, जो भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत पीएस भ्रष्टाचार निरोधक शाखा, जीएनसीटीडी में पंजीकृत है। जांच में सामने आया कि एसटीपी टेंडर प्रक्रिया में तकनीकी शर्तों और नियमों में जानबूझकर फेरबदल किया गया था। टेंडर की शर्तें इस तरह तैयार की गईं, जिससे प्रतिस्पर्धा सीमित हो जाए और एक खास निजी टेक्नोलॉजी प्रदाता कंपनी 'मेसर्स यूरोटेक एनवायरनमेंट प्राइवेट लिमिटेड को अनुचित लाभ पहुंचाया जा सके। जांच अधिकारियों के मुताबिक प्रस्तावित पायलट स्टडी को पूरा न करना, तकनीकी मापदंडों में बदलाव और उपचारित पानी के जरुरी मानकों को हटाना जैसी अनियमितताएं पाई गईं, जिससे सरकारी खजाने को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण से पता चला है कि टेंडर की शर्तें तय करने और संशोधन जारी करने में निजी व्यक्तियों, बिचौलियों और सरकारी अधिकारियों के बीच नियमित साठगांठ थी, ताकि टेंडर केवल पसंदीदा कंपनी को ही मिले। वित्तीय जांच में रिश्वत और कमीशन के पैसे के लेनदेन की पूरी श्रृंखला उजागर हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक यूरोटेक कंपनी से जुड़ी संस्थाओं से फंड नागेंद्र यादव की प्रोप्राइटरशिप फर्म 'ए एन एंटरप्राइजेस और 'सृजनहार के जरिये हस्तांतरित किया गया। इस माध्यम से तत्कालीन सीईओ उदित प्रकाश राय और उनके रिश्तेदारों के बैंक खातों में करीब 1.52 करोड़ रुपए की रिश्वत भेजी गई, जिसका इस्तेमाल अचल संपत्ति खरीदने में किया गया। इन सभी दस्तावेजी और तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के बाद एसीबी ने 18 अगस्त 2026 को छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल जांच एजेंसियां अपराध की पूरी कमाई और इस साजिश में शामिल अन्य पहलुओं की जांच कर रही हैं।

अखिलेश चुनाव में हार से बचने कांग्रेस को 300 सीटें देने का बना रहे प्लान

-बीजेपी और एनडीए सहयोगियों ने सपा प्रमुख पर किया जोरदार हमला

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी और बीजेपी के बीच जुबानी जंग जारी है। अखिलेश यादव बीजेपी और एनडीए सहयोगियों- आरएलडी, अपना दल और सुभासपा और निषाद पार्टी पर हमलावर हैं। इस बीच अब बीजेपी ने सपा प्रमुख पर उन्हीं के अंदाज में पलटवार किया है। बीजेपी का दावा है कि अखिलेश चुनाव में हार की जिम्मेदारी से बचने के लिए कांग्रेस को करीब 300 सीटें देने का प्लान बना रहे हैं। इसके अलावा अपना दल नेता आशीष पटेल ने भी सपा पर निशाना साधा है।

बीजेपी प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने अखिलेश यादव पर आरोप लगाया कि अखिलेश के पारिवारिक विवाद ने समाजवादी पार्टी की गुप्त योजनाओं को सार्वजनिक कर दिया है। उन्होंने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि 2027 विधानसभा चुनाव में हार का ठीकरा अपने ऊपर न फूटे, इसलिए सपा कांग्रेस को करीब 300 सीटें सौंपने जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए

किया जा रहा है, ताकि हार का मेडल राहुल गांधी के सिर बंधे और अखिलेश जिम्मेदारी से बच जाएं।

इससे पहले अखिलेश ने बीजेपी और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधते हुए सूत्रों के हवाले से एनडीए का सीट बंटवारा फॉर्मूला साझा किया था। उन्होंने दावा किया था कि बीजेपी पीडीए के दबाव में रालोद को 73, सुभासपा को 39, निषाद पार्टी को 31 और अपना दल को 19 सीटें देने की योजना बना रही है। अखिलेश ने कहा था कि यह योजना पीडीए की जनसंख्या अनुपात से बहुत कम है और पूरी तरह विफल साबित होगी।

अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर तीखे आरोप लगाते हुए कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा-परीक्षा घपलों, फर्जी मुकदमों, बुलडोजर कार्रवाई और 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण प्रभावित करने जैसी नीतियों से जनता त्रस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि अग्निवीर योजना लाने, स्वास्थ्य सेवाओं को बदहाल करने और संविधान बदलने की साजिश करने वालों को जनता नकार चुकी है। उन्होंने नारा दिया कि आज हर जन कह रहा है कि उन्हें बीजेपी नहीं चाहिए।

वहीं, अखिलेश के एनडीए के सीट बंटवारा फॉर्मूले पर अपना दल ने भी पलटवार किया। अपना दल नेता आशीष पटेल ने सपा प्रमुख के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी पार्टी ट्वीट और रीट्वीट का खेल नहीं खेलती है। वह जमीन पर जनता के बीच काम करने और गठबंधन के साथ मजबूती से खड़े रहने में विश्वास करते हैं। पटेल ने कहा कि एनडीए पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रहा है और इसी हकीकत से परेशान होकर सपा नेता दूसरों के शब्दों को अफवाह बताते-बताते खुद अफवाहों के वाहक बन रहे हैं।

सारे मंदिर अभी इसलिए बनाए जा रहे हैं ताकि चोरी की जा सके : रेणुका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य रेणुका चौधरी ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी, वंदे मातरम विवाद और राजनीति को लेकर केंद्र सरकार पर तीखे सवाल किए। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी द्वारा चंपत राय को क्लीन चिट देने पर कहा कि ये पहले ही अपेक्षित था कि बड़े लोगों को बचाने के लिए निचले स्तर पर काम कर रहे लोगों को कुर्बान कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये तो होना ही था। हमें पहले से पता था कि यही होने वाला है। छोटे-मोटों को कुर्बान कर देंगे और चंपत राय को बचा लेंगे। उन्होंने कहा कि सारे मंदिर अभी इसलिए बनाए जा रहे हैं ताकि चोरी की जा सके। ये भूल गए कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की मर्यादा से खिलवाड़ करेंगे तो ये बच जाएंगे। उनका श्राप इनको ही लगा है। बता दें मंगलवार को अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट के पूर्व सदस्य अनिल मिश्रा को क्लीन चिट दे दी है। मंदिर में दान के प्रबंधन में अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा दोनों ने 27 जून को अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मंदिर में दान प्रबंधन और संग्रह से संबंधित जांच के लिए एसआईटी ने दोनों से पूछताछ की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वंदे मातरम के पूरे गीत को राजनीतिक और हिंदू-मुस्लिम से जोड़कर देखे जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उस समय जो माहौल था, उस कारण से फैसला हुआ था। आज ये लोग किस कारण से कर रहे हैं, वही जानें और भगवान जाने। वैसे तो भगवान राम भी इनसे हटकर बैठे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल पर रेणुका चौधरी ने कहा कि एक लोकतंत्र में हम कोई हाथ-ज्योतिषी बनकर नहीं कह सकते हैं।

सीएम विजय का ऐलान: हर विधायक को मिलेगी नई कार

विधायकों की मांग पर टीवीके सरकार का फैसला, क्षेत्र में दौरे और विकास कार्यों की निगरानी में मिलेगी मदद

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख थलपति विजय ने राज्य के सभी विधायकों को यात्रा के लिए नई कार उपलब्ध कराने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लगातार दौरे करने पड़ते हैं और जनता की समस्याओं तथा जरूरतों का जायजा लेने के लिए नियमित रूप से क्षेत्र में रहना जरूरी है। ऐसे में उन्हें पर्याप्त लॉजिस्टिक्स और वाहन सुविधा उपलब्ध कराना आवश्यक है।

सरकार का यह फैसला विधानसभा में विधायकों के लिए वाहनों और जरूरी लॉजिस्टिक्स की सुविधा का मुद्दा उठाए जाने के बाद आया है। वीसीके विधायक जोतिमणि ने विधानसभा में कहा था कि यदि विधायकों को जरूरी संसाधन और वाहन उपलब्ध नहीं होंगे तो वे अपने क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पाएंगे। उन्होंने सरकार से विधायकों के लिए गाड़ियों की व्यवस्था करने का

अनुरोध किया था।

मुख्यमंत्री विजय ने विधायक के सुझाव को गंभीरता से लेते हुए सभी विधायकों के लिए नई कार उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। सरकार का मानना है कि वाहन सुविधा मिलने से विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्रों में अधिक आसानी से पहुंच सकेंगे और जनता से सीधे संवाद के साथ-साथ विकास कार्यों की निगरानी भी बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

जनता से संपर्क में आसानी होगी

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद सरकार की ओर से सभी विधायकों के लिए वाहनों की व्यवस्था की जाएगी। इससे ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में आने-जाने वाले विधायकों को विशेष सुविधा मिलने की उम्मीद है। विधायक नियमित रूप से अपने क्षेत्र का दौरा कर सकेंगे और सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल तथा अन्य स्थानीय समस्याओं की जानकारी लेकर संबंधित विभागों के साथ उनका समाधान कराने में तेजी ला सकेंगे। विधायक जोतिमणि ने विधानसभा में अपने क्षेत्रीय दायित्वों के निर्वहन के लिए वाहनों को जरूरी सुविधा बताया था। उनके अनुरोध पर मुख्यमंत्री विजय द्वारा लिया गया यह फैसला सरकार और विधायकों के बीच बुनियादी संसाधनों को लेकर उठाए गए मुद्दे के समाधान के रूप में देखा जा रहा है।

आँख की रोशनी गायब, शरीर में छर्रों का दद... लेकिन दीपके ने नहीं ली कोई खबर

-संसद मार्च के दौरान घायल हुए छात्रों का दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा को एक महीना पूरा हो चुका है, लेकिन घटना में पैलेट गन के छर्रे लगने से घायल हुए छात्रों के जख्म अभी भी ताजा हैं। पीड़ितों को इस बात की टीस ज्यादा है कि जिस कॉकराच जनता पार्टी (सीजेपी) ने उन्हें समर्थन का आश्वासन दिया था, वह अब उनका हाल भी नहीं पूछ रही है।

नजफगढ़ के छात्र साहिल लोचव की दूसरी सर्जरी के बावजूद दाईं आंख की रोशनी वापस नहीं लौट सकी है। 19 वर्षीय साहिल की आंख में पैलेट के छर्रे लगने से कॉर्निया में छेद हुआ था। उसकी मां ज्योति बताती हैं कि 20 जुलाई की घटना में साहिल की आंख और हाथ में छर्रे लगे थे, जिसमें से सभी अब तक नहीं निकाले जा सके हैं। इससे उसका एक हाथ भी ठीक से काम नहीं कर रहा। एम्स ट्रॉमा सेंटर में आंख की सर्जरी और बाद में लेंस डालने के बावजूद रोशनी नहीं लौटी है। स्नातक द्वितीय वर्ष के छात्र साहिल की पढ़ाई गंभीर रूप से प्रभावित हुई है और वह अभी भी अस्पताल में भर्ती है।

वहीं मध्य प्रदेश के जबलपुर निवासी इरशाद मंसूरी के चेहरे, आंख के पास, छाती और शरीर के कई हिस्सों में पैलेट गन के करीब 40 छर्रे लगे थे। 21 जुलाई को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में सर्जरी कर कुछ छर्रे निकाले गए, लेकिन कई अभी भी शरीर में मौजूद हैं। गुरुग्राम की कॉरपोरेट कंपनी में कार्यरत इरशाद पूरी तरह स्वस्थ नहीं हुए हैं और घाव नहीं भरने के कारण ड्यूटी जॉइन नहीं कर सके हैं। बिहार के 25 वर्षीय छात्र प्रशांत के हाथ, छाती और कमर में पैलेट के छर्रे लगे थे, जिससे उनका दायां हाथ कुछ समय के लिए सुन्न पड़ गया था। डॉक्टरों ने कुछ छर्रे निकाले, लेकिन कई छोटे छर्रे मांसपेशियों में गहराई तक धंसे हैं, जिन्हें निकालने से और अधिक घाव होने का डर है। प्रशांत अब नौकरी की तैयारी करते हुए भी पहले जैसा सामान्य महसूस नहीं कर रहे हैं। साहिल की मां और प्रशांत दोनों ने बताया कि घटना के बाद से सीजेपी की तरफ से किसी ने उनसे संपर्क नहीं किया है। जख्मी प्रदर्शनकारियों में अब यह कड़वाहट साफ दिखती है कि राजनीतिक दल ने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया है।

शहबाज शरीफ की परमाणु धमकी और ट्रंप की चुप्पी पर भड़के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लगातार की जा रही प्रशंसा और दक्षिण एशिया में परमाणु तबाही टलने का श्रेय देने के मामले पर भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने शहबाज शरीफ पर निशाना साधकर कहा कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज ट्रंप के बढ़े हुए अहंकार को खुश करने और राजनीतिक समर्थन हासिल करने के लिए चापलूसी में लगे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि शहबाज इस मामले में अति कर रहे हैं और ट्रंप को वहीं बातें बता रहे हैं जो वे सुनना पसंद करते हैं।

शरीफ ने पोस्ट कर ट्रंप के नेतृत्व की सराहना कर दावा किया था कि उनके साहसी कदमों से दक्षिण एशिया में परमाणु तबाही टली और लाखों लोगों की जान बच गई। हालांकि, पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने बयान के गंभीर निहितार्थों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उनका कहना है कि शहबाज के इन बयानों में भारत के विरुद्ध परमाणु हथियारों के संभावित पहले इस्तेमाल का छिपा हुआ संकेत और आक्रामक धमकी शामिल है। इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया न आना चिंता का विषय है।

पूर्व विदेश सचिव ने अमेरिका के रवैये को पूरी तरह से गैर-जिम्मेदाराना बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री जिस प्रकार परमाणु हथियारों को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं, उस पर अमेरिकी नेतृत्व की चुप्पी या अप्रत्यक्ष प्रोत्साहन क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इसतरह के बयानों को नजरअंदाज करना अंतरराष्ट्रीय शांति के हित में नहीं है।

इसके अतिरिक्त, शहबाज शरीफ ने सऊदी अरब और तुर्किये के साथ हुए मक्का संयुक्त रक्षा समझौते का भी उल्लेख कर इसके लिए अमेरिकी समर्थन का आभार जताया। ट्रंप ने इस त्रिपक्षीय समझौते को एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। बहरहाल, पाकिस्तान की परमाणु बयानबाजी और उस पर अमेरिकी प्रशासन की चुप्पी को लेकर सिब्बल के इन तीखे बयानों ने कूटनीतिक हलकों में एक नई बहस को जन्म दे दिया है।

संपादकीय

एक खत्म, दूसरा शुरू

झारखंड में करीब 25 दिन तक चले छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को विवादित कंपनी टीडीपीएल के संचालन में हुई जेपीएससी-14, जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की। साथ ही घोषणा कर दी कि जेपीएससी 11 व 13 की भी जांच की जाएगी। इसके अलावा परीक्षाओं के घोषित परिणाम भी रद्द करने का ऐलान कर दिया गया। यानी टीडीपीएल के माध्यम से जो भी अभ्यर्थी चुने गए, उनका चयन भी रद्द कर दिया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सचिवालय में ग्यारह मंत्रियों के साथ इस मुद्दे पर व्यापक विमर्श किया। छात्र आंदोलन के दबाव में काम कर रही राज्य सरकार की कैबिनेट बैठक करीब साढ़े चार घंटे तक चली। दरअसल, छात्रों के कई खेमे अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत थे। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार जिन परीक्षाओं को रद्द किया गया,उनमें चौदहवीं जेपीएससी सिविल सेवा रेगुलर, जेपीएससी बैकलॉग 2023, जेपीएससी बैकलॉग 2025, फॉरेस्ट रेंज अफसर, सहायक वन संरक्षक और सिविल जूनियर आदि की नियुक्तियां शामिल हैं। दरअसल, इन परीक्षाओं का संचालन जेपीएससी के माध्यम से किया गया। वहीं दूसरी ओर सीजीएल परीक्षा से चयनित 1975 लोगों की नौकरियां भी अब समाप्त मानी जाएंगी। सरकार ने वायदा किया है कि वर्ष 2014 के बाद हुई सभी नियुक्ति परीक्षाओं की जांच भी की जाएगी। यह जांच कार्य एक न्यायिक आयोग करेगा। बाकायदा एक आईएएस अधिकारी की अध्यक्षता में सुधारों के लिये एक कमेटी भी बनायी गई है। हालांकि, कुछ आंदोलनकारी छात्र सीबीआई जांच की मांग पर अड़े हैं। हालांकि, सरकार की घोषणा के बाद छात्रों का आंदोलन तो खत्म हो गया, लेकिन इस घोषणा के बाद सचिवालय परिसर में उन नियुक्त प्रतिभागियों की भीड़ जुट गई, जो जेएसएससी के माध्यम से परीक्षा उतीर्ण करके नौकरी हासिल कर चुके थे। सरकार की घोषणा के तुरंत बाद विभिन्न चयनित प्रतिभागियों का हुजूम सचिवालय में जमा होना शुरू हुआ। उनके लिये यह खबर स्तब्ध करने वाली थी। उनका दुख और गुस्सा स्वाभाविक ही है।

बहरहाल, अब राज्य सरकार के खिलाफ झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा में चयनित होने के बाद हटाये गए लोगों ने मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री एक बयान देकर दो हजार लोगों को सरकारी नौकरी से कैसे निकाल सकते हैं? वे इसे सरकारी अन्याय बता रहे हैं। उनकी दलील है कि हम सुबह नौकरी पर थे,लेकिन शाम होते ही हमें नौकरी से हटा दिया गया। उनका कहना था कि कोर्ट के आदेश के बाद ही हमें नौकरी मिली है। उल्लेखनीय है कि जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा दिसंबर 2023 में आयोजित हुई थी। लेकिन पेपर लीक होने के बाद परीक्षा सितंबर 2024 में फिर से हुई। फिर पेपर लीक की आशंका के बीच मामला अदालत पहुंचा। कोर्ट के आदेश के बाद परीक्षा परिणाम घोषित किया गया था। साथ ही तीस दिसंबर को सफल प्रत्याशियों को बाकायदा नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र दे दिए गए। अब सरकार द्वारा ये नियुक्तियां रद्द करने से प्रतिभागी बदहवास हैं क्योंकि कई लोगों ने लोन लेकर अपना जीवन स्तर सुधारा, उनकी बैंक की किश्तें जा रही हैं। अब उनकी आंखों के सामने अंधेरा है। उनकी मांग है कि सरकार कायदे से जांच कर ले, लेकिन उन्हें नौकरी से न हटाए। सभी लोग धांधली से भर्ती नहीं हुए हैं। उनका तर्क है कि भीड़ के दबाव में निर्दोष लोगों को सजा नहीं दी जा सकती। हटाये गए कर्मचारियों की आंखें नम हैं। उनमें कई लोग ऐसे हैं जो अपनी दूसरी नौकरियां छोड़कर सरकारी नौकरी के प्रलोभन में आए। दुखी व हताश हटाये गए कर्मचारी बारिश में धरने पर बैठे रहे क्योंकि उन्हें अधिकारियों ने सचिवालय से बाहर कर दिया था। वहीं दूसरी ओर हटाए गए कर्मियों के घर वाले भी सदमे में हैं। राज्य सरकार भी मुश्किल में है क्योंकि सीबीआई जांच की मांग कर रहे छात्रों की दलील है कि उनका आंदोलन अभी समाप्त नहीं हुआ है। वहीं सरकार के सामने हटाये गए अधिकारियों व कर्मचारियों का नया मोर्चा खुल गया है। हटाये गए कर्मचारी इस फैसले के खिलाफ कानूनी लड़ाई की तैयारी कर रहे हैं। वे सरकार के लिखित आदेश की प्रतीक्षा में हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मच्छर जानलेवा है, जागरूकता और स्वच्छता ही बचाव का सबसे बड़ा हथियार

कांतिलाल मांडोत

मच्छर आकार में भले ही बहुत छोटा जीव है, लेकिन मानव स्वास्थ्य के लिए इसका खतरा बेहद बड़ा है। दुनिया में अनेक गंभीर संक्रामक बीमारियों के प्रसार में मच्छरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफलाइटिस, जीका, पीला बुखार और फाइलेरियासिस जैसी बीमारियां मच्छरों के माध्यम से फैलती हैं। इन बीमारियों के कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ते हैं और कई मामलों में स्थिति गंभीर भी हो जाती है। इसलिए मच्छर को केवल परेशान करने वाला कीट मानना उचित नहीं है। यह मानव जीवन के लिए गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है।

हर वर्ष 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है। यह दिवस ब्रिटिश चिकित्सक सर रोनाल्ड रॉस की ऐतिहासिक खोज की स्मृति में मनाया जाता है। 20 अगस्त 1897 को रॉस ने यह महत्वपूर्ण प्रमाण प्रस्तुत किया कि मादा एनोफिलीज मच्छर मलेरिया के परजीवी को फैलाने में भूमिका निभाती है। इस खोज ने मलेरिया के संक्रमण और उसके नियंत्रण को समझने की दिशा में चिकित्सा विज्ञान को नई राह दिखाई। रॉस को बाद में वर्ष 1902 में चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विश्व मच्छर दिवस का उद्देश्य केवल इस वैज्ञानिक उपलब्धि को याद करना नहीं है, बल्कि लोगों को मच्छरजनित बीमारियों के खतरे और उनसे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना भी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बीमारी फैलने के बाद उपचार करने से बेहतर है कि मच्छरों के प्रजनन को रोककर बीमारी की आशंका को ही कम किया जाए।

मलेरिया मच्छर से फैलने वाली सबसे पुरानी और गंभीर बीमारियों में से एक है। यह प्लास्मोडियम परजीवी के कारण होता है और संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। बुखार, ठंड लगना, पसीना आना, सिरदर्द और कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हो सकते हैं। समय पर जांच और उचित उपचार मिलने पर मलेरिया का इलाज संभव है, लेकिन लापरवाही की स्थिति में यह गंभीर और जानलेवा रूप ले सकता है।

डेंगू भी मच्छरजनित बीमारी है, जो मुख्य रूप से संक्रमित एडीज मच्छरों से फैलती है। तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, मतली और कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हैं। कुछ मामलों में डेंगू गंभीर रूप ले सकता है, इसलिए लगातार या तेज बुखार होने पर चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है। डेंगू की रोकथाम में मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना सबसे महत्वपूर्ण उपायों में शामिल है।

चिकनगुनिया भी एडीज मच्छरों से फैलता है। इसमें बुखार के साथ जोड़ों में दर्द, सिरदर्द और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जापानी इंसेफलाइटिस तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाली गंभीर बीमारी है। जीका वायरस भी एडीज मच्छरों के माध्यम से फैल सकता है और गर्भावस्था के दौरान विशेष चिंता का विषय हो सकता है। इसके अलावा पीला बुखार और फाइलेरियासिस भी मच्छरों से फैलने वाली महत्वपूर्ण बीमारियां हैं।

मच्छरों के बारे में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि सामान्यतः मादा मच्छर ही मनुष्य और अन्य जीवों का रक्त चूसती हैं। मादा मच्छर को अंडों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त करने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। नर मच्छर मुख्य रूप से पौधों के रस और अन्य वनस्पति स्रोतों पर निर्भर रहते हैं। मच्छर मनुष्य तक पहुंचने के लिए सांस से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड, शरीर की गर्मी और गंध जैसे संकेतों का उपयोग करते हैं। इसी कारण वे मनुष्यों को आसानी से खोज लेते हैं। मच्छरों की अलग-अलग प्रजातियों का व्यवहार और बीमारी फैलाने की क्षमता भी अलग होती है। इसलिए मच्छर नियंत्रण के लिए वैज्ञानिक निगरानी और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार उपाय करना आवश्यक है।

वंदे मातरम प्रेमः हकीकत या फसाना

निर्मल रानी

राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर 2026 के नये सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार गृह मंत्रालय द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम बजाना और सभी के लिए सम्मान में खड़ा होना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही औपचारिक अवसरों पर इसके सभी छह छंदों को गाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विपक्ष सहित कुछ अन्य संगठन इस अनिवार्य प्रोटोकॉल को संविधान के अनुच्छेद 25 अर्थात व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताते हैं। बहरहाल, इन सब के बावजूद वंदेमातरम को संसद में और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में लाल किले पर गाया गया कबंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा1875 में मूल रूप से बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखे इस गीत के शब्द काफी कठिन हैं। 6 छंदों पर आधारित यह गीत काफी लंबा भी है। चूँकि आम तौर पर केवल इसके पहले दो छंदों को ही आधिकारिक तौर पर गाया जाता रहा है, इसलिए देश के अधिकांश राजनेताओं और आम नागरिकों को भी इसके बाद के 4 छंद कंठस्थ याद नहीं होते हैं। लेकिन भाजपा के मामले में यह विवाद इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि वह अन्य दलों पर राष्ट्रगीत के अपमान का तो आरोप लगाती है, जबकि खुद उसके अपने नेता इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने में चूक जाते हैं।

समय-समय पर भाजपा के नेताओं की इस गीत को लेकर अज्ञानता कैमरे पर भी उजागर हुई है। एक टेलीवीजन लाइव डिबेट के दौरान, जब भाजपा प्रवक्ता नवीन कुमार सिंह दूसरों को वंदे मातरम् गाने की चुनौती दे रहे थे, तो एंकर ने उनसे स्वयं इसे गाने को कह दिया। वे अपने मोबाइल फोन में देखने के बावजूद गीत की गलत पंक्तियाँ गाने लगे और धुन भी पूरी तरह भूल गए। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री बलदेव सिंह औलख से जब पत्रकारों ने वंदे मातरम् की कुछ पंक्तियाँ सुनाने को कहा, तो वे बेहद असहज हो गए। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें इस समय पूरा याद नहीं है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर में भाजपा के मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, मंच पर राष्ट्रगीत गाते समय गलत धुन और गलत वर्जन बज गया। कांग्रेस द्वारा इस बड़ी चूक पर हमला किए जाने के बाद राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। कोटा, मेरठ और ग्वालियर जैसे कई शहरों में भाजपा के स्थानीय विधायकों और सांसदों के ऐसे अनेक वीडियो सामने आ चुके हैं, जहाँ वे वंदे मातरम् और राष्ट्रगान (जन गण मन) के बीच अंतर करने में भ्रमित हो जाते हैं या गीत की पंक्तियों को आपस में मिला देते हैं। हाल ही में गुजरे संसद के मॉनसून सत्र के दौरान जब वंदे मातरम् को लेकर नया कानून और राष्ट्रगीत विवाद गरमाया, तो विपक्ष ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि जिन्होंने वंदे मातरम् को लेकर कड़े कानून बनाये हैं, हकीकत यह है कि उनके अपने नेताओं और मंत्रियों को भी यह गीत पूरा याद नहीं है।

उधर मुस्लिम समुदाय के भीतर इस गीत को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण और विचार हैं। हालाँकि समग्र मुस्लिम समाज वंदे मातरम्-गायन का विरोध नहीं करता है परन्तु समाज के कुछ लोग या कुछ धार्मिक संगठन इसके पूरे पाठ या कुछ विशिष्ट छंदों का विरोध करते हैं। जबकि अनेक अन्य मुस्लिम नागरिक,प्रतिष्ठित लोग और कलाकार इसे देशभक्ति के प्रतीक के रूप में सहजता से गाते भी हैं। दरअसल मुसलमानों के एक वर्ग के वंदे मातरम् का विरोध करने के पीछे मुख्य रूप से धार्मिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक कारण हैं। एकेश्वरवाद के सिद्धांत पर आधारित इस्लाम धर्म में केवल एक अल्लाह की इबादत की अनुमति है। जबकि वंदे मातरम् का शाब्दिक अर्थ माँ, मैं आपकी वंदना/पूजा करता हूँ होता है जहाँ देश को एक देवी दुर्गा के रूप में चित्रित किया गया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसे धार्मिक संगठनों का मानना है कि अल्लाह के अलावा किसी भी अन्य सत्ता, भूमि या मूर्ति के सामने झुकना या उसकी पूजा करना उनके धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। कुछ इतिहासकारों और मुस्लिम विचारकों का मानना है कि इस उपन्यास की पृष्ठभूमि और कुछ अंशों में मुस्लिम विरोधी भावनाएं निहित थीं, जिससे इस गीत को लेकर ऐतिहासिक रूप से एक संशय पैदा हुआ। कई मुस्लिम नेताओं और कानूनी विशेषज्ञों का यह तर्क भी है कि भारत का संविधान अनुच्छेद 19 और 25 नागरिकों को अभिव्यक्ति और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। उनका कहना है कि देशभक्ति साबित करने के लिए किसी को भी ऐसा गीत गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए जो उनकी धार्मिक आस्था से टकराता हो। हालांकि इस विषय पर मुस्लिम समाज भी एकमत नहीं है। कुछ उलेमाओं का मानना है कि इसके छंदों में मूर्तिपूजा और देवी स्वरूप की स्तुति शामिल है, इसलिए वे इसे गाने से परहेज करते हैं। यही वजह थी कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1937 में कांग्रेस ने मुस्लिम समुदाय की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए ही इस गीत के केवल शुरूआती दो छंदों को ही राष्ट्रगीत के रूप में अपनाया था। पहले दो छंदों में देश की प्राकृतिक सुंदरता (सुजलां सुफलां) का वर्णन है, जिस पर कई प्रगतिशील मुस्लिम संगठनों को कोई आपत्ति नहीं है। जबकि कई उदारवादी मुस्लिम, आम नागरिक और कलाकार इसे बिना किसी धार्मिक चश्मे के केवल अपनी मातृभूमि के प्रति सम्मान और प्रेम के रूप में देखते हैं। जैसे कि संगीतकार ए.आर. रहमान द्वारा गाया गया मां तुझे सलाम वंदे मातरम बेहद लोकप्रिय है। ऐतिहासिक रूप से भी, स्वतंत्रता संग्राम जैसे कि 1905 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे महान मुस्लिम नेताओं ने इस गीत और नारे का खुलकर समर्थन किया था। इसलिए, वर्तमान में भी यह मुद्दा पूरे मुस्लिम समाज का नहीं, बल्कि व्यक्तिगत धार्मिक प्राथमिकताओं और आस्था से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

परन्तु आज जब देश का बड़ा वर्ग खासकर युवा शिक्षा की होती दुर्गति, पेपर लीक, भयंकर बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, दयनीय स्वास्थ सेवाओं, बेतहाशा बढ़ती मंहगाई, मंदिर दान चोरी आदि से दुखी होकर सड़कों पर उतर रहा है। आज जब भारत में बाल कुपोष की यह स्थिति है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार हर दूसरा भारतीय बच्चा कुपोषित है,देश का गरीब व्यक्ति और गरीब होता जा रहा है,खुद सरकारी दावों के अनुसार 80 करोड़ लोग सरकार के 5 किलो मुफ्त राशन पर आश्रित है। ऐसे में क्या वंदे मातरम गाने से लोगों को बेहतर जिन्दगी मिल सकेगी और उनका जीवन स्तर ऊपर उठ सकेगा ? या फिर भाजपा इसे अपने राजनैतिक स्वभाव के अनुरूप मात्र हिन्दू मुस्लिम के बीच का भावनात्मक मुद्दा बनाकर उछालना चाह रही है? वह भी तब जबकि इसके अपने अधिकांश सांसद व नेता न तो वंदे मातरम गा सकते हैं न ही उन्हें कंठस्थ है। दरअसल भाजपा द्वारा वंदे मातरम के प्रति प्रेम प्रदर्शन के पीछे की हकीकत कुछ और है और फसाना कुछ और।

डोनाल्ड ट्रंप को क्यों भा गया भारतीय निर्वाचन आयोग?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो भारत के साथ टैरिफ पर टैरिफ खेल रहे थे अचानक युद्ध छोड़कर भारत की चुनाव व्यवस्था और मतदाता पहचान प्रणाली यानी भारतीय निर्वाचन आयोग को पंसद कर रहे हैं। ज्ञात रहे कि हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी चुनाव व्यवस्था की तुलना भारतीय चुनाव मतदाता पहचान प्रणाली से की है। ट्रंप ने भारत के विशाल चुनावी तंत्र, फोटो पहचान-पत्र की व्यवस्था और सीमित डाक मतपत्र व्यवस्था को अमेरिका के लिए उदाहरण के रूप में पेश किया। उन्होंने भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से कथित बातचीत का भी उल्लेख किया, हालांकि इस बातचीत का स्वतंत्र सार्वजनिक रिकॉर्ड अभी स्पष्ट रूप से सामने नहीं आया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान केवल भारत की चुनाव प्रणाली की प्रशंसा भर नहीं है। इसके पीछे अमेरिकी राजनीति, मतदाता पहचान, चुनावी पारदर्शिता और आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की राजनीति भी दिखाई देती है। सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि आखिर भारत की चुनाव व्यवस्था में ऐसा क्या है जो दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक अमेरिका के राष्ट्रपति को आकर्षित कर रहा है? भारत का निर्वाचन आयोग कोई सामान्य प्रशासनिक संस्था नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उसे संसद, राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों की देखरेख, निर्देशन और नियंत्रण का संवैधानिक दायित्व प्राप्त है। निर्वाचन आयोग स्वयं भी इसे स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण के रूप में वर्णित करता है।

भारत में चुनाव कराना अपने आप में दुनिया का एक असाधारण प्रशासनिक अभियान है। करोड़ों मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाना, मतदाता सूची तैयार करना, पहचान सुनिश्चित करना, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर बनाए रखना तथा परिणामों को घोषित करना—यह पूरा तंत्र विशाल स्तर पर काम करता है। ट्रंप ने भारत के हालिया आम चुनाव में लगभग 646 मिलियन मतदाताओं का उल्लेख करते हुए भारतीय फोटो पहचान व्यवस्था को अमेरिका के संदर्भ में उपयोगी बताया। यहीं से भारत और अमेरिका के चुनावी मॉडल में एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। अमेरिका में चुनावों का संचालन काफी हद तक राज्यों के स्तर पर होता है और नियमों में राज्यवार अंतर दिखाई देता है। इसके विपरीत भारत में निर्वाचन आयोग एक केंद्रीय संवैधानिक संस्था के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के लिए व्यापक अधिकार रखता है। ट्रंप की नजर में यही केंद्रीकृत चुनाव प्रबंधन एक आकर्षक मॉडल हो सकता है। ट्रंप की टिप्पणी को समझने के लिए अमेरिकी राजनीति को समझना आवश्यक है। अमेरिका में मतदाता पहचान और नागरिकता सत्यापन लंबे समय से राजनीतिक बहस का विषय रहे हैं। ट्रंप लगातार यह तर्क देते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया में पहचान और नागरिकता की पर्याप्त जांच होनी चाहिए।इसी पृष्ठभूमि में उन्होंने भारत का उदाहरण दिया। उनका उद्देश्य केवल भारत की प्रशंसा करना नहीं, बल्कि अमेरिकी मतदाता पहचान कानूनों के पक्ष में राजनीतिक समर्थन जुटाना भी है। ट्रंप प्रशासन के माध्यम से मतदाता पंजीकरण में नागरिकता प्रमाण और देशव्यापी फोटो पहचान जैसे प्रावधानों पर जोर दे रहा है इसलिए यह कहना अधिक उचित होगा कि ट्रंप को भारत इसलिए भा रहा है क्योंकि भारतीय चुनाव प्रणाली का एक हिस्सा उनके घरेलू राजनीतिक एजेंडे के अनुकूल दिखाई देता है।यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—क्या ट्रंप वास्तव में भारतीय चुनाव प्रणाली को अमेरिकी चुनाव व्यवस्था का आदर्श मानते हैं या वे भारत का उदाहरण अपनी घरेलू राजनीति में एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं?

भारत की चुनाव व्यवस्था की अपनी खूबियां हैं। लेकिन भारत भी पूर्ण व्यवस्था होने का दावा नहीं कर सकता। मतदाता सूची में नाम जुड़? या हटने, पहचान संबंधी समस्याओं, चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर समय-समय पर राजनीतिक विवाद उठते रहे हैं। हाल के वर्षों में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भी तीखी राजनीतिक बहस हुई है। 2026 में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष और नागरिक समूहों ने सवाल उठाए हैं, जबकि निर्वाचन आयोग ने अपने संवैधानिक अधिकारों के भीतर काम करने का पक्ष रखा है। इस मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय में भी निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची तैयार करने की शक्तियों को लेकर प्रश्नों पर विचार हुआ है।इसलिए ट्रंप की प्रशंसा को भारत की चुनाव प्रणाली के लिए अंतिम प्रमाणपत्र मान लेना उचित नहीं होगा।किसी भी चुनाव की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि कितने लोगों ने मतदान किया। असली सफलता तब होती है जब हारने वाला उम्मीदवार और उसके समर्थक भी परिणाम को स्वीकार करें।

भारत में निर्वाचन आयोग की भूमिका इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। संविधान ने उसे चुनावी प्रक्रिया की देखरेख का व्यापक अधिकार दिया है ताकि सत्ता परिवर्तन शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से हो सके। निर्वाचन आयोग स्वयं अपने संवैधानिक दायित्व को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने से जोड़ता है।लेकिन लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं बनती। वह जनता के विश्वास से बनती है। इसलिए निर्वाचन आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती आज यही है कि उसकी प्रत्येक कार्रवाई ऐसी हो जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को समान रूप से भरोसा हो।

ट्रंप के बयान के बाद भारत में राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आई। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अमेरिका ले जाने संबंधी व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। यह प्रतिक्रिया बताती है कि भारत में निर्वाचन आयोग को लेकर राजनीतिक विवाद अभी समाप्त नहीं हुआ है।यदि सरकार निर्वाचन आयोग की प्रशंसा करे तो विपक्ष को संदेह हो सकता है। यदि विपक्ष आयोग पर सवाल उठाए तो सरकार इसे राजनीतिक हमला बता सकती है। लेकिन इन दोनों के बीच संस्थागत निष्पक्षता का प्रश्न कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।निर्वाचन आयोग को न तो सरकार के पक्ष में दिखाई देना चाहिए और न विपक्ष के। उसे केवल संविधान के पक्ष में दिखाई देना चाहिए।

यदि अमेरिका भारत से कुछ सीखना चाहता है तो केवल मतदाता पहचान-पत्र की व्यवस्था को देखकर बात पूरी नहीं हो सकती। भारत की चुनाव प्रणाली एक पूरे संस्थागत ढांचे पर आधारित है। मतदाता सूची, निर्वाचन क्षेत्र, मतदान केंद्रों का प्रबंधन, चुनावी आचार संहिता, राजनीतिक दलों के साथ संवाद, चुनाव अधिकारियों की तैनाती और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से लेकर मतगणना तक एक विस्तृत व्यवस्था काम करती है।

भारत में चुनाव आयोग को चुनावों के दौरान समान अवसर उपलब्ध कराने और आदर्श आचार संहिता लागू करने की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है। संविधान का अनुच्छेद 324 इस पूरे ढांचे की आधारशिला है।

अमेरिका यदि भारतीय अनुभव से कुछ ग्रहण करता है तो उसे केवल पहचान-पत्र नहीं, बल्कि चुनाव प्रबंधन की संस्थागत संरचना पर भी विचार करना होगा। यहां बात केवल अमेरिका को भारत से सीखने की नहीं है। भारत को भी अपने चुनावी तंत्र में लगातार सुधार करते रहना होगा। आज मतदाता पहले से अधिक जागरूक है। सोशल मीडिया के दौर में चुनावी जानकारी कुछ सेकंड में करोड़ों लोगों तक पहुंच सकती है। गलत सूचना, डीपफेक, फर्जी वीडियो और डिजिटल प्रचार चुनावी वातावरण को प्रभावित कर सकते हैं।ऐसे में निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता और संवाद की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।मतदाता सूची में किसी नागरिक का नाम क्यों जोड़ा गया या क्यों हटाया गया, चुनावी निर्णय किस आधार पर लिया गया, राजनीतिक दलों की शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई—इन सभी सवालों के जवाब समय पर और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होना लोकतंत्र के हित में है।डोनाल्ड ट्रंप का भारतीय निर्वाचन आयोग की व्यवस्था की ओर ध्यान जाना निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय हो सकता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की चुनावी व्यवस्था को अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा उदाहरण के तौर पर पेश करना भारत की संस्थागत क्षमता को अंतरराष्ट्रीय पहचान देता है।लेकिन लोकतंत्र में बाहरी प्रशंसा से ज्यादा महत्वपूर्ण आंतरिक विश्वास है।यदि भारत के नागरिक अपने निर्वाचन आयोग पर भरोसा करते हैं, यदि राजनीतिक दल चुनावी परिणामों को स्वीकार करते हैं और यदि हर मतदाता को यह विश्वास रहता है कि उसका वोट सुरक्षित है तथा उसकी आवाज सुनी जाएगी, तभी चुनाव प्रणाली वास्तव में मजबूत कही जाएगी।आज आवश्यकता इस बात की है कि निर्वाचन आयोग अपनी उपलब्धियों पर संतुष्ट होकर न रुके। उसे लगातार खुद को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना होगा।ट्रंप को भारत इसलिए भाया क्योंकि उन्हें अपनी घरेलू राजनीतिक बहस के लिए भारतीय मॉडल में कुछ उपयोगी तत्व दिखाई दिए। लेकिन भारत के लिए इससे बड़ा संदेश यह है कि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं दुनिया के लिए उदाहरण बन सकती हैं—बशर्ते हम उनके प्रति जनता का विश्वास बनाए रखें। चुनाव केवल सत्ता चुनने की प्रक्रिया नहीं है। चुनाव लोकतंत्र में नागरिक और राज्य के बीच विश्वास का सबसे बड़ा सेतु है। निर्वाचन आयोग उस सेतु का प्रहरी है।

इसलिए ट्रंप की प्रशंसा अच्छी खबर हो सकती है, लेकिन असली परीक्षा यह है कि भारत का आम मतदाता अपने निर्वाचन आयोग के बारे में क्या सोचता है। लोकतंत्र की अंतिम कसौटी वाशिंगटन की प्रशंसा नहीं, बल्कि भारत के मतदान केंद्र पर खड़ा वह सामान्य नागरिक है जो अपने हाथ में मतदाता पहचान-पत्र लेकर यह विश्वास करता है कि उसकी एक-एक वोट की कीमत है। और यही विश्वास भारत के निर्वाचन आयोग की सबसे बड़ी पूंजी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

रूखालू में विकास को नई गति, जनसंवाद में समाजवादी विजन का संदेश

10 लाख की लागत से 300 मीटर आरसीसी नाले का शुभारंभ, PDA पंचायत में योजनाओं की जानकारी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विधानसभा क्षेत्र हसनपुर के ग्राम रूखालू में विकास कार्यों को नई गति मिली। मुरली नेताजी के मकान से पचपेड़ी की ओर लगभग 10 लाख रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित 300 मीटर आर.सी.सी. नाले का फीता काटकर शुभारंभ किया गया। साथ ही ढऊअ पंचायत के माध्यम से क्षेत्रवासियों से संवाद कर उनकी समस्याओं और विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। यह विकास कार्य गांव में जलभराव और जल निकासी की समस्या से राहत दिलाने के साथ-साथ स्वच्छता एवं बेहतर मूलभूत सुविधाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

PDA पंचायत में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनने पर प्रस्तावित जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों की जानकारी भी ग्रामवासियों को दी गई। बताया गया कि समाजवादी सरकार बनने पर हर घर 300 यूनिट बिजली निःशुल्क, किसानों का कर्ज माफ तथा महिलाओं के खाते में 40,000 प्रतिवर्ष जैसी योजनाओं के माध्यम से आम जनता को राहत दी जाएगी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सोनाली देवी, ग्राम प्रधान पति गोपाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य विनोद राणा, हुकम सिंह राणा, मुरली नेताजी, रोहतास सिंह खड़कवंशी, नरेंद्र सिंह राणा नेताजी, जुगल किशोर, छत्रपाल, नेमपाल सिंह, भगत जी, मेवाराम सिंह, रामचंद्र, हरिवंश, मनोज, सुभाष वाल्मीकि, रमेश सिंह, तेजपाल सिंह, मोबीन, धर्मपाल सिंह, मनोहरी सिंह, प्रेमपाल, बबलू, माली सिंह, वीर सिंह, हरकेश सिंह, गंगाशय, हरकिशन, रामपाल सिंह, बंटी, अर्जुन, ऋतिक सहित समस्त सम्मानित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में भारत स्काउट एवं गाइड जिला परिषद की बैठक सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में भारत स्काउट एवं गाइड उत्तर प्रदेश, जनपद अमरोहा की जिला परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन के विभिन्न प्रशासनिक एवं प्रशिक्षण संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि एवं गत वर्ष कराए गए कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही जिला संस्था के नए पदाधिकारियों का स्वागत किया गया तथा दल एवं कंपनी के पंजीकरण एवं नवीनीकरण, सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में स्काउट-गाइड गतिविधियों के विस्तार, प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण, रोवर-रेंजर प्रशिक्षण, तहसील एवं जनपद स्तरीय जांच शिविर, राज्य पुरस्कार जांच शिविर, जिला रैली, सामाजिक सेवा शिविर एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के अधिकाधिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों को स्काउट-गाइड गतिविधियों से जोड़ा जाए तथा विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना एवं राष्ट्र निर्माण के संस्कार विकसित करने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किए जाएं। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समयावधि में सभी गतिविधियों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट), भारत स्काउट एवं गाइड उत्तर प्रदेश, जनपद अमरोहा, जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, स्काउट-गाइड के पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का 12 सितम्बर को होगा आयोजन:- सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने दी जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- आगामी 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के न्यायाधीश / सचिव, अभिषेक कुमार व्यास ने बताया कि इस बार के आयोजन को व्यापक और ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाली इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को आम आदमी के दरवाजे तक पहुँचाना और मुकदमों के बोझ को कम करना है। इस मेगा इवेंट के दौरान जनपद न्यायालय परिसर और सभी संबंधित तहसीलों में विशेष बेंचों के माध्यम से हजारों लंबित और प्री-लिटिगेशन मामलों के निस्तारण का लक्ष्य रखा गया है। सचिव, अभिषेक कुमार व्यास ने स्पष्ट किया कि इस मंच पर दीवानी मुकदमों, पारिवारिक विवादों, बैंक ऋण वसूली, चेक बाउंस के मामलों के साथ-साथ बिजली, पानी और श्रम विवादों का समाधान आपसी सहमति के आधार पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, यातायात चालानों और राजस्व से संबंधित छोटे-मोटे विवादों को भी मौके पर ही सुलझाने की व्यवस्था की गई है, जिससे आम जनता को लंबी कानूनी प्रक्रियाओं और बार-बार की तारीखों से बड़ी राहत मिल सकेगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव, अभिषेक कुमार व्यास ने जनहित में जानकारी देते हुए आगे बताया कि लोक अदालत के माध्यम से वाद निस्तारण न केवल समय की बचत करता है, बल्कि यह समाज में सामाजिक सद्भाव और भाईचारे को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने पक्षकारों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जो लोग आपसी समझौते के आधार पर अपने मामलों को सुलझाते हैं, उन्हें नियमानुसार जमा की गई कोर्ट फीस वापस पाने का भी अधिकार होता है, जो आर्थिक दृष्टिकोण से भी एक बड़ा लाभ है। इस विशेष अभियान को सफल बनाने के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने सभी संबंधित अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकताओं और आम नागरिकों से इस लोक अदालत में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है।

जो पक्षकार अपने लंबित मामलों को इस सूची में शामिल करवाना चाहते हैं, वे 12 सितम्बर की तिथि से पहले किसी भी कार्य दिवस में संबंधित न्यायालय या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के कार्यालय में जाकर अपना प्रार्थना पत्र जमा कर सकते हैं। इस पहल के जरिए प्रयास किया जा रहा है कि अधिक से अधिक लोग सुलह के इस रास्ते को अपनाएं और वर्षों पुराने विवादों का अंत कर एक नई शुरूआत करें।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में एनकॉर्ड (एनकॉर्ड) समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने, नशा मुक्त समाज के निर्माण तथा विभागीय समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में एनकॉर्ड (एनकॉर्ड) समिति की समीक्षा बैठक अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मादक पदार्थों की रोकथाम, अवैध तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध चल रही प्रवर्तन कार्यवाहियों, जनजागरूकता अभियानों तथा विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद में मादक पदार्थों के अवैध निर्माण, परिवहन, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध संयुक्त अभियान चलाकर कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ नियमित निरीक्षण करें तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए शासन को समयबद्ध आख्या उपलब्ध कराएं। उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, जिससे युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखा जा सके। साथ ही समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से नशा मुक्ति अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने पर भी बल दिया गया। बैठक में जिला आबकारी अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, सीओ धनौरा, जिला कृषि अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक का विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा राजकीय इण्टर कॉलेज में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं बेहतर करियर मार्गदर्शन के उद्देश्य से प्रेरक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। लक्ष्य स्पष्ट रखें, समय का सदुपयोग करें तथा निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा, डिजिटल कौशल, नवाचार तथा स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी देते हुए आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, नशा मुक्ति, यातायात नियमों के पालन एवं सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि युवा अपनी ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में लगाएं तथा कानून का सम्मान करते हुए एक जिम्मेदार नागरिक बनें। उन्होंने पुलिस सेवा सहित विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी भी साझा की। संवाद कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने करियर, प्रतियोगी परीक्षाओं, समय प्रबंधन, तनाव से निपटने तथा सफलता के मूल मंत्र से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे, जिनका जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सरल और प्रेरणादायक उत्तर दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे अपने भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

जिलाधिकारी ने मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सबसे पहले जो जो समस्याएं होती हैं उनको फेस करना चाहिए, पढ़ाई के लिए फैमिली बैकग्राउंड, किसी भी वर्ण, जाति, धर्म नहीं देखना पड़ता है हमें अपने करियर पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कौरव और पांडवों को दी देने वाले गुरु द्रोणाचार्य की शिक्षा जिसमें चिड़िया की आंख को भेदना था का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा हमें सिर्फ अपने लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप जिस भी क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं उसके लिए मैगजीन, न्यूजपेपर अवश्य पढ़ें। मोबाइल का प्रयोग नेगेटिव कंटेंट देखने के लिए न करें, मोबाईल का प्रयोग स्वयं के लिए करें जिससे आपको अपने करियर को सफल बनाने में लाभ प्राप्त हो और हमें सोच बड़ी रखना चाहिए।छात्र-छात्राओं ने पुलिस अधीक्षक महोदय से पूछा कि हमें अपने करियर बनाने के लिए क्या गलती नहीं करना चाहिए, जिस पर पुलिस अधीक्षक ने छात्र-छात्राओं को करियर बनाने के दौरान आने वाली विभिन्न चुनौतियों और उनके समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम, अनुशासन, ईमानदारी, शारीरिक एवं मानसिक फिटनेस तथा सकारात्मक सोच अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की रणनीति, समय प्रबंधन, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा निरंतर अभ्यास के महत्व पर विशेष बल दिया। साथ ही विद्यार्थियों को असफलताओं से निराश न होकर उन्हें सीख के रूप में स्वीकार करते हुए अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक ने छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुये डायल 112 की जानकारी दी और यह भी प्रेरित किया कि अगर बाइक पर दो लोग बैठे हैं तो दोनों को हेलमेट का प्रयोग अवश्य करना चाहिये और सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करना चाहिए यह जानकारी आप अपने घर आसपास के लोगों को नियमों का पालन करने की सलाह दें। उन्होंने खान-पान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमें ऐसी चीज खाने चाहिए जिससे प्रोटीन, विटामिन, वसा भरपूर मात्रा में मिले और टाइम टेबल के हिसाब से अपने सब्जेक्ट को सेलेक्ट करें और पढ़ाई करें। जिलाधिकारी से छात्र-छात्राओं ने अध्ययन की बेहतर रणनीति, समय प्रबंधन तथा सफलता के लिए अपनाई जाने वाली ट्रिक्स के बारे में प्रश्न पूछे। इस पर जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि नियमित और अनुशासित अध्ययन ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे प्रतिदिन एक निश्चित समय-सारिणी बनाकर पढ़ाई करें, कठिन विषयों को प्राथमिकता दें तथा प्रत्येक विषय का नियमित पुनरावृत्ति (रिवीजन) करें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें समय पर पूरा करने का प्रयास करें। मोबाइल एवं सोशल मीडिया का सीमित उपयोग करें तथा एकाग्र होकर अध्ययन करें। उन्होंने बताया कि केवल अधिक समय तक पढ़ना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समझकर पढ़ना, नोट्स बनाना, नियमित अभ्यास करना और समय-समय पर स्वयं का मूल्यांकन करना भी आवश्यक है।

अंत में उन्होंने छात्र-छात्राओं से सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और निरंतर मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया तथा कहा कि दृढ़ संकल्प और नियमित प्रयास से हर विद्यार्थी अपने सपनों को साकार कर सकता है। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक, प्राधानाचार्य राजकीय इण्टर कॉलेज, अध्यापकगण एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आए किसान भाइयों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी समस्याएं एवं सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे। किसान दिवस में विशेष रूप से बैंकिंग सेवाओं से संबंधित समस्याएं प्रमुखता से उठाई गईं। किसानों ने कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), ऋण वितरण, ऋण नवीनीकरण, बैंक शाखाओं में अनावश्यक विलंब, तकनीकी समस्याओं तथा योजनाओं का समय पर लाभ न मिलने जैसी समस्याओं से मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसान दिवस केवल औपचारिकता निभाने का माध्यम नहीं है, बल्कि किसानों की समस्याओं के वास्तविक समाधान का मंच है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का पूर्ण निष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें। कोई भी समस्या ऐसी नहीं होती जिसका समाधान न निकाला जा सके, आवश्यकता केवल सकारात्मक सोच एवं गंभीर प्रयास की है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसान भाइयों से नियमित संवाद स्थापित करें, उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनें तथा उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत के निस्तारण के उपरांत प्रस्तुत की जाने वाली निरीक्षण आख्या में स्थल निरीक्षण के स्पष्ट फोटोग्राफ अनिवार्य रूप से संलग्न किए जाएं तथा शिकायतकर्ता की उपस्थिति एवं संतुष्टि का भी उल्लेख किया जाए, जिससे शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने उपस्थित बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसान किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करें तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक सरल एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे। उन्होंने बैंक अधिकारियों से किसानों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार अपनाने तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि, सिंचाई, विद्युत, राजस्व, गन्ना, पशुपालन एवं अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसान दिवस में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए तथा इसकी नियमित समीक्षा भी की जाए। उन्होंने कहा कि किसान प्रदेश एवं देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर किसानों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराएं, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान भाई उपस्थित रहे।

धनौरा में भाकियू (टिकैत) की मासिक बैठक का आयोजन, भारत-अमेरिका डील पर जताया विरोध, बंद पेंशन चालू करने की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा स्थित विद्युत उपकेंद्र पर बुधवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक बैठक का आयोजन कराया गया। जिसमें किसानों ने आम जनता और किसानों से जुड़ी समस्याओं के अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए शासन प्रशासन से गन्ने का भाव 500 प्रति कुंतल करने, बंद पेंशन को चालू करने जैसी कई समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। इसके अलावा किसानों ने भारत और अमेरिका डील पर भी विरोध जताया। बता दें कि इस दौरान बैठक की अध्यक्षता रामकेश त्यागी ने की और संचालन रामवीर सिंह ने किया।पंचायत को संबोधित करते हुए रामवीर सिंह ने भारत-अमेरिका डील पर कड़ा विरोध जताया। किसानों ने आशंका व्यक्त की कि इस समझौते से देश के कृषि क्षेत्र और किसानों को बड़ा नुकसान हो सकता है।वक्ताओं ने केंद्र सरकार से अमेरिका के किसी भी दबाव में न आने का आग्रह किया, यह तर्क देते हुए कि जब ईरान जैसा देश अमेरिका के आगे नहीं झुकता, तो भारत को भी ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है।बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी आलोक कुमार ने शासन-प्रशासन से एक महत्वपूर्ण मांग रखी। उन्होंने कहा कि धनौरा-नौगांवा मार्ग से अमरोहा मार्ग तक बैराज मध्य गंगनहर की दोनों पटरियों को पक्का कराया जाए।इससे कांवड़ यात्रा के दौरान वाहनों के आवागमन में होने वाली असुविधा से बचा जा सकेगा।मंडल उपाध्यक्ष झुंडे सिंह ने किसानों की रुकी हुई वित्तीय सहायता का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि कई पात्र किसानों की 'पीएम किसान सम्मान निधि' और बुजुर्गों की 'वृद्धावस्था पेंशन' रोक दी गई है।यूनियन ने मांग की कि इन दोनों योजनाओं की राशि पात्र लाभार्थियों को तत्काल प्रदान की जाए।इसके अतिरिक्त, पंचायत में आगामी पेराई सत्र के लिए गन्ने का लाभकारी मूल्य कम से कम ड्ड500 प्रति क्विंटल घोषित करने की मांग की गई।किसानों पर रोड जाम के दौरान दर्ज किए गए सभी मुकदमों को तत्काल वापस लेने की भी मांग की गई। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी आलोक कुमार, मंडल उपाध्यक्ष झुंडे सिंह, सुरेंद्र सैनी, संजय अम्हेड़ा, दीपा धनौरी, राम सिंह, मुनिदेव त्यागी, मुकेश शर्मा, राजेंद्र शर्मा, नत्थू प्रधान, नरेश सिंह, करीम हैदर, डॉ. मोहम्मद सैफी, लाल चंद, चेतन सैनी, राजकुमार और अलीसेन, हुस्न बानो सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
संभल/अमरोहा
अमरोहा
गुरुवार 20 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

पैमाइश के नाम पर मांगी थी रिश्वत, 10 हजार लेते पकड़ा गया लेखपाल

गुन्नौर/संभल (सब का सपना):- एंटी करप्शन टीम ने गुन्नौर तहसील क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक लेखपाल को कथित रूप से 10 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। मामला रजपुरा ब्लॉक के गांव सजना अहराम से जुड़ा बताया जा रहा है। गिरफ्तार लेखपाल की पहचान अमन कुमार रस्तोगी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी महिपाल ने आरोप लगाया था कि पट्टी की पैमाइश कराने के नाम पर लेखपाल द्वारा उससे 50 हजार की रिश्वत की मांग की गई थी। महिपाल ने मामले की शिकायत

एसडीएम गुन्नौर से भी की, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई न होने पर उसने मुख्यमंत्री के यहां शिकायत की। बताया गया कि शिकायत मुख्यमंत्री स्तर तक पहुंचने के बाद एंटी करप्शन टीम ने शिकायतकर्ता से संपर्क कर मामले की जानकारी जुटाई और शिकायत के आधार पर कार्रवाई की योजना तैयार की।

बुधवार को टीम ने कार्रवाई करते हुए लेखपाल को कथित तौर पर 10 हजार की रिश्वत लेते पकड़ लिया। इसके बाद टीम ने उसका पीछा करते हुए आगरा-मुरादाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर भकरौली के पास उसे गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद टीम लेखपाल को धनारी थाने ले गई, जहां उसके खिलाफ आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। मामले में जांच और विधिक कार्रवाई के बाद रिश्वत के आरोपों की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी।

आरसेटी में प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे डीएम आरओ

ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों की सराहना

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बहजोई में बुधवार को केनरा बैंक के डीएम (आरओ) बरेली संजीव कुमार पोद्दार ने भ्रमण कर संस्थान की प्रशिक्षण व्यवस्थाओं एवं विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया। उनके साथ केनरा बैंक बहजोई शाखा के शाखा प्रबंधक सावन कुमार भी मौजूद रहे। संस्थान पहुंचने पर निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता ने संजीव कुमार पोद्दार एवं सावन कुमार का स्वागत किया। इस दौरान निदेशक ने पौधा युक्त गमला भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। भ्रमण के दौरान संजीव कुमार पोद्दार ने आरसेटी में संचालित विभिन्न स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रशिक्षणार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं संस्थान की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने वर्तमान में संचालित कंप्यूटर बैच के प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनके प्रशिक्षण अनुभव और भविष्य की योजनाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। डीएम आरओ संजीव कुमार पोद्दार ने ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए आरसेटी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में ऐसे प्रशिक्षण संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रशिक्षण के माध्यम से युवा अपने हुनर को रोजगार में बदलने के साथ ही अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं। इस अवसर पर संस्थान निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता ने आरसेटी की उपलब्धियों एवं भविष्य की प्रशिक्षण योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं एवं इच्छुक अभ्यर्थियों को विभिन्न ट्रेडों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सफल उद्यमी बनने के लिए तैयार करना है। इस दौरान संस्थान के कर्मचारीगण भी मौजूद रहे।

जनकल्याण सेवा समिति ने धूमधाम से मनाया तीजोत्सव

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जनकल्याण सेवा समिति के तत्वाधान में तीजोत्सव का कार्यक्रम भव्य रूप से कैथल गेट स्थित पूनम वार्ष्णेय के आवास पर मनाया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने झूले का आनन्द लिया और सावन के गीत, मल्हार एवं मल्हार पर नृत्य प्रस्तुत किए। समूह नृत्य, तीज महोत्सव पर आधारित प्रश्नोत्तरी एवं विभिन्न प्रकार के खेलों का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में पंक्चुअलिटी पुरस्कार कल्पना वार्ष्णेय ने जीता। पूर्णिमा वार्ष्णेय तीज क्वीन बनीं, फर्स्ट रनर अप मीनू फैंसी और सेकंड रनर अप पूनम वार्ष्णेय रहीं। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर

सम्मानित किया गया। समिति की अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय ने कहा कि चारों तरफ हरियाली होने के कारण इस त्यौहार को हरियाली तीज कहा जाता है। इस दिन महिलाएं उपवास रखकर अपने पति की दीघार्यु की कामना करती हैं। उपाध्यक्ष आशा गोस्वामी ने कहा कि इस दिन माता पार्वती ने भगवान शिव को अपनी कठोर तपस्या से प्राप्त किया था। सचिव भावना गुप्ता ने बताया कि हरियाली तीज को छोटी तीज व श्रावण तीज के नाम से भी जाना जाता है। कार्यक्रम का आयोजन पूनम वार्ष्णेय ने किया। संचालन मीनू फैंसी एवं अंशु वार्ष्णेय ने किया तथा अध्यक्षता कल्पना वार्ष्णेय ने की। कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट भोजन के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष आशा गोस्वामी, सचिव भावना गुप्ता, कोषाध्यक्ष मीनू फैंसी, अंशु वार्ष्णेय, संगीता शर्मा, सारिका, पूनम वार्ष्णेय, पूर्णिमा, सीमा सिंह, आभा रानी, सीमा फैंसी, कांता अदलक्खा, राजेश्वरी, सोनी रस्तोगी, रचना गुप्ता, रमा अग्रवाल, रुचि अग्रवाल, शालिनी शर्मा, मनीषा, संगीता गौतम, जूही, निष्ठा, हिना, मानसी, दीक्षा, संजना, रंजना वार्ष्णेय आदि मौजूद रहीं।

अनियंत्रित टेंपो ने सड़क किनारे बैठे दो भाइयों को रौंदा

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद में चंदौसी तहसील के थाना बहजोई क्षेत्र स्थित गांव बमनेटा में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सुबह करीब 9:30 बजे बहजोई की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार व अनियंत्रित टेंपो ने सड़क किनारे बैठे दो सगे भाइयों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया और उसने एक अन्य राहगीर को भी अपनी चपेट में ले लिया। सुबह लगभग 9:30 बजे हरिओम (50 वर्ष) पुत्र फूल सिंह, निवासी बमनेटा (इलाज के दौरान

मौत) विजेंद्र (30 वर्ष) - मृतक हरिओम के छोटे भाई गंभीर स्थिति मिंटू 40 टेंपो चालक, निवासी बहजोई रेलवे स्टेशन के पास सिर में गंभीर चोट ख्याली 35 निवासी लहरावन पैर में चोट हादसे की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान सुबह हरिओम ने दम तोड़ दिया। डॉ. सचिन वर्मा ने बताया कि घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए संभल के जिला संयुक्त चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया है।

थाना प्रभारी राजीव कुमार मलिक ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक के शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त टेंपो को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गजरौला पुलिस ने धारा 170 के तहत तीन को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला थाना पुलिस ने बुधवार को धारा 170 के तहत तीन अभियुक्त गणों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस द्वारा की गई इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार जनपद भर में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत किया गया है। बता दें कि पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में उवैस पुत्र मुजफ्फर अली निवासी ग्राम मोहम्मदाबाद ,थाना गजरौला, जनपद अमरोहा उम्र 22 वर्ष, उमराव पुत्र भूप सिंह निवासी ग्राम सादुल्लापुर, थाना गजरौला, जनपद अमरोहा, उम्र 35 वर्ष, अर्श पुत्र तस्लीम निवासी मोहल्ला जलाल नगर बस्ती, थाना गजरौला, जनपद अमरोहा उम्र करीब 18 वर्ष शामिल हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध धारा 170 के तहत वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र ने छह परिवारों को फिर मिलाया, 38 पत्रावलियों पर हुई सुनवाई

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के आदेश तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण मनोज रावत एवं क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चंदौसी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परामर्श केंद्र प्रभारी एवं महिला थानाध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। बैठक में पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद से

संबंधित कुल 38 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई। काउंसलरों के सहयोग से सुलह-समझौते के आधार पर विवादों का निस्तारण कराने का प्रयास किया गया। इस दौरान 18 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया, जबकि छह परिवारों को आपसी मतभेद दूर कर साथ रहने के लिए राजी कराया गया। एक पत्रावली में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई।

वहीं, 11 पत्रावलियों को आवेदक द्वारा पैरवी न करने तथा अन्य कारणों के चलते बंद कर दिया गया। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गजरौला पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित दो युवकों को किया गिरफ्तार, न्यायालय भेजा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला थाना पुलिस में बुधवार को क्षेत्र में हुई हत्या के मामले में दो वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिनके खिलाफ पुलिस ने अपराध से संबंधित धाराओं में वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय में पेश कर दिया है। बता दें कि गजरौला थाना पुलिस ने गांव पखरौला हत्या के एक मामले में फरार चल रहे दो और वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन आरोपियों को गजरौला रोडवेज बस स्टैंड से गिरफ्तार किया और न्यायालय में पेश किया।पुलिस के अनुसार, यह मामला 16 अगस्त 2026 का है। उस दिन

एक महिला ने थाने में तहरीर दी थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कुछ आरोपियों ने उसके पति संजय कुमार के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और सरिया से मारपीट की थी। इस हमले में संजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।इस घटना के संबंध में गजरौला थाने में बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की संबंधित धाराओं और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने इस मामले में पहले ही जुल्फकार पुत्र जब्बार अली और इमरान पुत्र शोकत को 17 अगस्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने बताया कि उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किए गए थे।इसी क्रम में, बुधवार 19 अगस्त 2026 को मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने मामले में वांछित इस्तेकार (पुत्र जब्बार, उम्र करीब 26 वर्ष) और मुक्तयार (पुत्र जब्बार) को गिरफ्तार कर लिया। ये दोनों ग्राम पखरौला हाशमपुर, थाना गजरौला, जनपद अमरोहा के निवासी हैं। पुलिस दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर रही है।

डिडौली थाना परिसर में आगामी बारावफात जुलूस को लेकर अमन कमेटी की बैठक का आयोजन

डिडौली पुलिस ने की आमजन से जुलूस को शांति एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की अपील

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली परिसर में बुधवार को आगामी बारावफात जुलूस के मद्देनजर एक अमन कमेटी की बैठक का आयोजन कराया। जिसमें पुलिस ने क्षेत्र के कुछ जिम्मेदार लोगों को बुलाकर उनसे बारावफात जुलूस को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की अपील की,साथ ही उनसे पुलिस प्रशासन द्वारा बनाए गए नियमों का शांतिपूर्ण तरीके से पालन करने की अपील की। बता दें कि जनपद भर में आगामी 26 अगस्त को बारावफात जुलूस के आयोजन कराए जाएंगे जिसकी मद्देनजर डिडौली कोतवाली पुलिस ने सोमवार को थाना परिसर में एक अमन कमेटी

की बैठक का आयोजन कराया।इस दौरान बैठक में क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार, प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार वालियान और एसआई कमरूल हसन ने क्षेत्र के गणमान्य लोगों के साथ चर्चा की। अधिकारियों ने कहा कि त्योहार आपसी भाईचारे का प्रतीक है।पुलिस अधिकारियों ने अपील की कि जुलूस के दौरान सभी लोग शांति व्यवस्था बनाए रखें और प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करें। उन्होंने जुलूस को सफल बनाने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किया। अधिकारियों ने लोगों से सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर फैलने वाली किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की सलाह दी। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए कहा गया।इस बैठक में रिहान प्रधान, कारी मेहराजुल हसन, मौलाना मुहम्मद अहसान, मौलाना जमील अहमद, मौलाना आफताब, मुहम्मद जाकिर, हाफिज दुल्हा, मुहम्मद अरशद, मौलाना कमरूल हसन, धर्मसिंह सैनी, मुहम्मद उस्मान, मुहम्मद फहीम, हरस्वरूप माथुर, साजिद सैफी, मोहसिन, खालिद हुसैन, अशरफ अली, हिकमत अली और मुहम्मद हसन सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नशा मुक्त समाज से ही विकसित भारत का सपना होगा साकार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विकसित भारत की ओर एक सशक्त कदम विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम ब्रह्माकुमारी संस्थान के तत्वावधान में दीदी प्रकाशमणि की पावन स्मृति में चलाए जा रहे 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाभियान के तहत आयोजित हुआ। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद बहजोई के अध्यक्ष राजेश शंकर राजू सहित अधिकारी, छात्र-छात्राएं एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़े सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। ब्रह्माकुमारी संस्थान की कुमारी कुसुम दीदी ने नशे की लत से मुक्ति के उपायों की जानकारी देते हुए आत्मचिंतन एवं ध्यान के माध्यम से मन को एकाग्र करने का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं नशे से दूर

रहने के साथ अपने परिवार एवं समाज को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना चाहिए। नशे से दूरी व्यक्ति को स्वस्थ एवं सक्षम बनाने के साथ परिवार को भी खुशहाल बनाती है। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने कहा कि नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता केवल कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसकी चर्चा परिवार और समाज में भी होनी जरूरी है। नशे के कारण युवा पीढ़ी का भविष्य प्रभावित होता है और व्यक्ति की विवेक एवं निर्णय लेने की क्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से स्वयं नशे से दूर रहने तथा आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। नगर पालिका परिषद बहजोई के अध्यक्ष राजेश शंकर राजू ने कहा कि नशा एक बुरी लत है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति को दूर रहना चाहिए। नशा मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। पोस्टर, बैनर एवं होर्डिंग के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्त भारत के निर्माण की शपथ दिलाई गई। इसके बाद ब्रह्माकुमारी संस्थान की दीदियों ने मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार को राखी बांधकर भाईचारे, सद्भाव एवं सामाजिक एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र से लोकेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत इंटर कॉलेज में केशोपुर सठला के छात्र की तबियत खराब होने से मौत

बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के वी.वी.नगर क्षेत्र के स्वतंत्र भारत बीबीनगर इंटर कॉलेज में केशोपुर सठला के छात्र की तबियत खराब होने से मौत हो गई, केशोपुर सठला निवासी तुषार कटारिया पुत्र सत्यप्रकाश कटारिया जो कि कक्षा ग्यारह का होनहार छात्र जो कि बीबीनगर स्वतंत्र भारत इंटर कॉलेज में पढ़ता था रोज की तरह आज भी वह स्कूल गया था कक्षा में अचानक से उसकी तबियत खराब होने पर शिक्षक आननफानन में उसे बीबीनगर सीएचसी जो कि स्कूल से मात्र सौ

मीटर पर है जहां पर डॉक्टर द्वारा उसका इलाज किया गया तबियत में सुधार न होने पर बुलंदशहर रेफर कर दिया गया परंतु तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। तुषार के पिता सत्यप्रकाश ऑटो रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे थे। तीन भाई बहनों में तुषार सबसे बड़ा था उसके बाद उसकी बहन अंजली और सबसे छोटा अंशु है। गांव में पुलिस पहुंच गई परिजनों के कहने पर शव का पंचनामा भर दिया गया। मृत्यु का समाचार सुनकर तुषार के घर लोगों का तांता लग गया घरवालों का रो रो कर बुरा हाल हो गया देर शाम तक रिश्तेदारों का घर आना लगा था और अंतिम संस्कार गांव में ही करने की तैयारी चल रही थी।

जिले में 31 अक्टूबर से शुरू होगा सीएनजी का उत्पादन, गन्ने की मैली बनेगी ऊर्जा का नया स्रोत

बिजनौर (सब का सपना):- पेट्रोलियम पदार्थों पर निर्भरता कम करने और गन्ने के अवशेष का ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने की दिशा में जिले में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। युवा बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बुंदकी चीनी मिल के पास स्थापित किए जा रहे कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्लांट से 31 अक्टूबर से सीएनजी का उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। प्लांट की दैनिक उत्पादन क्षमता 12 मीट्रिक टन सीबीजी की होगी। जिले में वर्तमान में करीब 36 मीट्रिक टन प्रतिदिन सीएनजी की मांग है, जबकि विभिन्न प्रस्तावित संयंत्रों के माध्यम से करीब 50 मीट्रिक टन प्रतिदिन तक सीएनजी उत्पादन की क्षमता विकसित की जा सकती है। मांग से अधिक उत्पादन होने पर अतिरिक्त सीएनजी की आपूर्ति आसपास के जिलों में भी की जा सकती है। गन्ने की पेराई के बाद निकलने वाली मैली (प्रेसमड) को सीबीजी उत्पादन का प्रमुख कच्चा माल बनाया जाएगा। इसी दिशा में रिलायंस सहित अन्य कंपनियां चीनी मिलों से मैली की आपूर्ति के लिए एमओयू कर रही हैं। जिले की चीनी मिलों ने भी सीबीजी प्लांट लगाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इन संयंत्रों में गन्ने की मैली से बायोगैस तैयार कर उसे शुद्ध एवं संपीड़ित करके सीएनजी के रूप में तैयार किया जाएगा। इससे पीएनजी भी तैयार की जा सकती है।

पेट्रोलियम पर निर्भरता घटाने की कवायद

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में सरकार पेट्रोल-डीजल और एलपीजी पर निर्भरता कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा दे रही है।बिजनौर जैसे गन्ना उत्पादक जिले में सीबीजी को वैकल्पिक ऊर्जा के बड़े स्रोत के रूप में देखा जा रहा है। गन्ने की मैली से तैयार सीएनजी का इस्तेमाल वाहनों में और पीएनजी का उपयोग रसोई तथा अन्य जरूरतों में किया जा सकता है। इससे एक ओर किसानों और चीनी मिलों के कृषि अवशेष का बेहतर उपयोग होगा, वहीं दूसरी ओर स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलने के साथ पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता घटाने में भी मदद मिलेगी। 12 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाले बुंदकी क्षेत्र के सीबीजी प्लांट से अक्टूबर के अंत में उत्पादन शुरू होना जिले में वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शुरूआत माना जा रहा है।

गोहावर जंगल में पुलिस की घेराबंदी, एक आरोपी मुठभेड़ में घायल

बिजनौर (सब का सपना):- थाना नूरपुर क्षेत्र के गोहावर के जंगल में बुधवार तड़के पुलिस और कथित बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका साथी जंगल का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीमों को लगाया गया है। पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह करीब चार बजे सूचना मिली थी कि गोहावर के जंगल में दो आरोपी कथित रूप से गोकशी की वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना पर नूरपुर पुलिस ने जंगल में पहुंचकर घेराबंदी करते हुए चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस टीम को दो संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस का दावा है कि दोनों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार पीछा किए जाने पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका साथी जंगल में भागने में सफल रहा।
घायल आरोपी की पहचान गुल्लू पुत्र मुर्तजा, निवासी गांव गावरी पनियाला, थाना नूरपुर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी के साथ जंगल में गोवंश काटकर मांस बेचने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तमंचा, खोखा व जिंदा कारतूस, मोटरसाइकिल तथा गोकशी में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बरामद करने का दावा किया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से छह मुकदमे दर्ज हैं। फरार आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

मछली बाजार में पति-पत्नी और वो को लेकर हंगामा

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मछली बाजार में बुधवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब नूरपुर निवासी एक पति अपनी पत्नी के पीछे-पीछे धामपुर पहुंच गया। पति ने पत्नी पर प्रेमी से मिलने का आरोप लगाया। मामले को लेकर मौके पर काफी देर तक गहमागहमी बनी रही। बताया गया कि महिला किसी युवक से मिलने के लिए धामपुर के मछली बाजार पहुंची थी। इसी दौरान उसका पति भी वहां पहुंच गया। पति-पत्नी और युवक के बीच कहासुनी होने लगी, जिससे मौके पर भीड़ जमा हो गई। मामला बढ़ता देख पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस दोनों पक्षों को धामपुर कोतवाली ले आई, जहां मामले की जानकारी जुटाई गई। पुलिस ने आरोपों की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मामले में किसी पक्ष की ओर से तहरीर दिए जाने की पुष्टि नहीं हुई है।

बच्चों के विवाद में बीच-बचाव करने पहुंची महिला पर धारदार हथियार से हमला

सिर में गंभीर चोट लगने पर चार दिन उपचार के बाद बिजनौर रेफर, आरोपी गिरफ्त से बाहर होने का आरोप

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के कस्बा सहसपुर के मोहल्ला अफगानान में बच्चों के बीच हो रहे विवाद को शांत कराने पहुंची महिला पर धारदार हथियार से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में महिला के सिर में गंभीर चोट आई। परिजनों के अनुसार, स्योहारा में प्राथमिक उपचार के बाद उसे बिजनौर रेफर किया गया, जहां करीब चार दिन उपचार के बावजूद हालत में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर उसे दोबारा हायर सेंटर रेफर किया गया है। पीड़ित परिवार ने आरोपियों की गिरफ्तारी और महिला को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। मोहल्ला अफगानान निवासी मो. सलमान पुत्र बब्बन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 16 अगस्त की शाम करीब साढ़े पांच बजे बच्चों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। उसकी मां नसरीन पत्नी बब्बन बच्चों के बीच-बचाव कराने के लिए मौके पर पहुंचीं। आरोप है कि इसी दौरान मोहल्ले के सलिम पुत्र यामीन और गुल्लू पुत्र सलिम भी वहां आ गए। तहरीर के अनुसार, सलिम ने नसरीन को पीछे से पकड़ लिया, जबकि गुल्लू ने धारदार हथियार से उनके सिर पर वार कर दिया। हमले में नसरीन गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हालत में जमीन पर गिर गईं। आरोप है कि दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद परिजन घायल महिला को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बिजनौर रेफर कर दिया। परिजनों के मुताबिक, बिजनौर में करीब चार दिन उपचार के बाद भी हालत में सुधार नहीं हुआ, जिसके बाद उन्हें दोबारा हायर सेंटर रेफर किया गया। फिलहाल महिला की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर 16 अगस्त को मुकदमा दर्ज किया था। एफआईआर के अनुसार, मामला भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 3(5), 74, 109(1), 115(2) और 351(3) के तहत दर्ज किया गया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं और पीड़िता के परिजनों को धमकी दे रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि आरोपी कथित तौर पर मुकदमा पैसे देकर खत्म कराने की बात कह रहे हैं। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधिकारियों से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी तथा महिला और उसके परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करने और गला दबाकर हत्या करने के मामले में बहजोई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुकदमे में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार थाना धनारी क्षेत्र के ग्राम लहरा भूड़ निवासी राजेश पुत्र स्व. नेकसे ने थाना बहजोई में तहरीरी सूचना देकर आरोप लगाया था कि उसकी बहन को ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि दहेज को लेकर प्रताड़ना के बाद अभियुक्तगण ने

उसकी बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बहजोई पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में थाना बहजोई की पुलिस टीम ने मुकदमे में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दी। इसी क्रम में बुधवार को पुलिस टीम को आरोपी रवि पुत्र ओमकार, उम्र करीब 22 वर्ष, के संबंध में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने डियौढ़ाई से टिकटा रोड की ओर घेराबंदी कर तलाश शुरू की। पुलिस ने डियौढ़ाई से टिकटा रोड पर करीब 50 मीटर आगे बाईं ओर से आरोपी रवि को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से आवश्यक पूछताछ की और उसके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी मुकदमा दहेज प्रतिषेध अधिनियम में वांछित चल रहा था।
विवाहिता की मौत के मामले में पुलिस अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

4 करोड़ लेकर फरार हुआ सुनार दशरथ सोनी, 5 गांवों में हाहाकार

8 साल तक भरोसा जीतकर गांव-गांव से जेवर-नकदी बटोरी, रातों-रात दुकान बंद कर हुआ गायब

फतेहपुर (सब का सपना):- यूपी के फतेहपुर जिले में भरोसे के नाम पर करोड़ों की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पथरक्ता चौराहे का रहने वाला दशरथ सोनी, जो पिछले 8 वर्षों से बिसौहली चौराहे पर सोनारी की दुकान चलाता था और गांव-गांव घूमकर सोने-चांदी के जेवरात बेचने, पुराने जेवर खरीदने और गिरो-गांठ का काम करता था, अब सैकड़ों गरीब ग्रामीणों की गाढ़ी कमाई लेकर फरार हो गया है। आरोप है कि दशरथ ने 8 सालों में लोगों के बीच झूठा विश्वास पैदा किया और फिर उसी विश्वास को हथियार बनाकर लूट लिया। पिछले 15 दिनों से वह अचानक लापता है। न दुकान खोल रहा है, न किसी का

फोन उठा रहा है। जब ग्रामीणों ने उसकी तलाश की तो पता चला कि वह रातों-रात ताला लगाकर भाग चुका है। पीड़ित ग्रामीणों के अनुसार लगभग 5 गांवों के सैकड़ों लोगों के करीब 4 करोड़ रुपये के जेवर और नकदी वह हड़प कर ले गया है। बुधवार को दो दर्जन से अधिक पीड़ित सदर कोतवाली पहुंचे और लिखित तहरीर देकर गुहार लगाई। पीड़ितों में पूनम देवी निवासी बैरी गोविंदपुर थाना माला, इंदल परमा का पुरवा, रामलाल, कामता, चंद्रसेन निवासी सुकेती, प्रेम, मिथलेश कुमार, रोहित, वीरेन्द्र कुमार, मेघनाथ, कमलेश, सुनील निवासी सुधवा आदि शामिल हैं। सभी ने एक स्वर में कहा कि दशरथ सोनी पथरक्ता-पकडहा का रहने वाला है और लगभग 4 करोड़ लेकर फरार हो गया है। ग्रामीणों ने पुलिस से मांग की है कि इस शातिर ठग को तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और उनके खून-पसीने की कमाई, जेवरात वापस दिलाए जाएं। पीड़ितों का कहना है कि "यह सिर्फ ठगी नहीं, गरीबों के भरोसे की निर्मम हत्या है। इस मामले पर सदर कोतवाल हेमंत कुमार मिश्रा ने बताया कि सभी ग्रामीणों से शिकायती पत्र प्राप्त कर लिए गए हैं। जांच कराकर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग युवती लापता होने के मामले में युवक पर आरोप, पुलिस ने सकुशल किया बरामद

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के थाना सोती नांगल क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग युवती के घर से अचानक लापता होने के मामले में परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले युवक पर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया। युवती के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और युवती को सकुशल बरामद कर लिया है। युवती के पिता के अनुसार युवती की शादी के लिए घर में करीब चार लाख रुपये की रकम रखी हुई थी। आरोप है कि पड़ोसी युवक समीर उनकी बेटी से शादी करना चाहता था। घटना से एक दिन पहले युवक द्वारा युवती के पिता को कथित रूप से धमकी भी दी गई थी। युवती के अचानक रात्रि में घर से गायब होने के बाद परिवार ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने संभावित स्थानों पर तलाश और जांच के बाद युवती को बरामद कर लिया। परिजनों ने युवती के घर से जाने और रकम गायब होने की घटना को आपस में जुड़ा होने की आशंका जताई है। सी.ओ. अन्नू कुमारी का कहना है कि युवती के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आरोपी युवक की तलाश भी शुरू कर दी है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

सीबीएसई नॉर्थ जोन जूडो चैंपियनशिप में बहजोई के खिलाड़ियों ने जीते 19 पदक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- ग्रेटर नोएडा के सेंट जॉर्ज स्कूल में आयोजित सीबीएसई नॉर्थ जोन जूडो चैंपियनशिप- में बहजोई एवं आसपास के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 19 पदक हासिल किए। इनमें सात स्वर्ण, चार रजत और आठ कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता में उत्तराखंड एवं नॉर्दर्न उत्तर प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से करीब 1200 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में सिल्वर स्टोन पब्लिक स्कूल, बहजोई को चैंपियन स्कूल घोषित किया गया। विद्यालय के खिलाड़ियों ने छह स्वर्ण और पांच कांस्य समेत कुल 11 पदक अपने नाम किए। अराध्या सिंह, अनुराग, अनिरुद्ध, प्रज्ञान गर्ग, रुद्र शर्मा और नव्या गर्ग ने अपने-अपने भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। वहीं देवांगना यादव, निहांशी गोयल, कृष्णा शर्मा, आयुष शर्मा और पावनी शर्मा ने कांस्य पदक हासिल किए। विद्यालय के जूडो कोच एकांश गुप्ता ने बताया कि खिलाड़ियों की यह सफलता नियमित अभ्यास, मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। सिल्वर स्टोन के सभी छह स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों का चयन 28 सितंबर से हरियाणा में होने वाली नेशनल जूडो चैंपियनशिप के लिए हुआ है। प्रतियोगिता में सहायक कोच के रूप में आदित्य शर्मा, चंचल और दीपक राणा मौजूद रहे। एंग्लो वैदिक स्कूल, बहजोई की सिद्धि शर्मा ने स्वर्ण तथा हर्षित कश्यप ने रजत पदक हासिल किया। वहीं बीएमबीएल वर्ल्ड स्कूल के खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन रजत और एक कांस्य पदक जीता। अराध्या ने अंडर-14 के 40 किलोग्राम से कम, अक्षराज ने 35 किलोग्राम से कम तथा नव्या राठौर ने 23 किलोग्राम से कम भार वर्ग में रजत पदक हासिल किया। अधिराज यादव ने अंडर-11 के 25 किलोग्राम से कम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। भगत जी इंटरनेशनल स्कूल की लावण्या गोयल ने अंडर-14 के 36 किलोग्राम से कम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। वहीं आरआरके सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चंदौसी के तानिष्क ने अंडर-19 के 90 किलोग्राम से कम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। बहजोई एवं आसपास के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से नगर में खुशी का माहौल है। विद्यालय परिवार, अभिभावकों और खेलप्रेमियों ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फतेहपुर में NHM संविदा कर्मचारियों का सीएमओ कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन

स्थानांतरण निरस्त करने समेत 8 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन, नारेबाजी

फतेहपुर (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के बैनर तले बुधवार को बड़ी संख्या में NHM संविदा कर्मचारियों ने सीएमओ कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। संरक्षक डॉ. के.के. पांडेय और अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार पटेल के नेतृत्व में कर्मचारियों ने नारेबाजी कर अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर सीएमओ को सामूहिक ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने अपनी प्रमुख मांगो में कहा है कि स्थानांतरण आदेश निरस्त किए जाएं। समय से मानदेय भुगतान सुनिश्चित हो। मानसिक दबाव पर रोक लगाई जाए। सुबह 10 बजे से पहले अनुपस्थित न किया जाए। निरीक्षण के दौरान कार्रवाई और मानदेय रोकने की मनमानी बंद हो। मृतक कर्मी के आश्रित को लंबित बीमा राशि दिलाई जाए। मासिक शिकायत निवारण कमेटी की बैठक नियमित कराई जाए। अन्य लंबित समस्याओं का

त्वरित निस्तारण त्वरित किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि अक्सर सुबह 10 बजे से पहले ही कर्मचारियों को अनुपस्थित कर दिया जाता है। साथ ही निरीक्षण के नाम पर कार्रवाई कर मानदेय रोक दिया जाता है जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। डॉ. के.के. पांडेय और डॉ. प्रदीप कुमार पटेल ने कहा कि अगर मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के बाद सभी कर्मचारियों ने सीएमओ को ज्ञापन सौंपकर समस्या समाधान की मांग की।

हरियाणा में हैट्रिक के बाद सतीश पूनिया को पंजाब बीजेपी की कमान, बूथ मॉडल से 117 सीटों पर खिलाएंगे कमल; पढ़ें खास इंटरव्यू

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब प्रभारी के लिए डॉ. सतीश पूनिया के रूप में ऐसा चेहरा चुना है, जिसकी पहचान केवल जातीय या क्षेत्रीय समीकरण साधने वाले नेता की नहीं, बल्कि संगठन खड़ा करने और चुनाव को बूथ स्तर तक ले जाने वाले नेता की है। राजस्थान के प्रमुख जाट नेता डॉ. सतीश पूनिया को पंजाब भाजपा का प्रभारी बनाए जाने के पीछे सबसे महत्वपूर्ण कारण उनका हरियाणा की जीत का मॉडल रहा है। हरियाणा में 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में सतीश पूनिया की अहम भूमिका रही, जिसने उन्हें पार्टी के रणनीतिकारों की पहली पंक्ति में ला खड़ा किया है। अब वह पंजाब भाजपा की चुनौतियों का चक्रव्यूह भी तोड़ेंगे। बूथ जीता तो चुनाव जीता पूनिया का रणनीतिक सूत्र है, बूथ

जीता तो चुनाव जीता। हरियाणा भाजपा के प्रभारी रहते हुए डा. पूनिया ने इसे सफल साबित किया है। यहां उन्होंने बूथ और पन्ना स्तर की व्यवस्था को विशेष महत्व दिया। एक पन्ना प्रमुख को मतदाता सूची के एक हिस्से की जिम्मेदारी देकर मतदाताओं से सीधा संपर्क स्थापित करने की उनकी कार्यशैली का विपक्ष के पास कोई तोड़ नहीं था। विस्तारकों की अवधारणा के जरिए ऐसे लोगों को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया गया, जिनका उद्देश्य सीधे चुनावी राजनीति में उतरना नहीं, बल्कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना रहा है। अपने इसी हरियाणा माडल को वे पंजाब के चुनाव में धरातल पर उतारते दिखाई दे सकते हैं। सैनी के साथ पूनिया के बेहतर तालमेल का मिलेगा लाभ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब में पिछले काफी समय से सक्रिय हैं। उनके साथ पूनिया का बेहतरीन तालमेल है, जिसे भाजपा पंजाब में उपयोगी मान सकती है। सैनी की राजनीतिक सक्रियता और पूनिया की संगठनात्मक शैली पंजाब में मिलकर काम करेगी। पूनिया के लिए पंजाब में पांच बड़ी चुनौतियां -117 सीटों पर संगठन खड़ा कर कमजोर विधानसभा क्षेत्रों में बूथ और मंडल स्तर तक पार्टी को मजबूत करना। -गुटबाजी पर नियंत्रण कर पुराने नेताओं, नए चेहरों और अलग-अलग खेमों में बेहतर तालमेल बनाना -किसानों में पकड़ बना भाजपा की स्वीकार्यता को शहरों से बाहर गांवों और सिख मतदाताओं तक बढ़ाना। -आप-कांग्रेस के मुकाबले भाजपा को बेहतर मजबूत विकल्प बनाना - गठबंधन के बिना सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ने की स्थिति में मजबूत उम्मीदवार और संगठन तैयार करना। पूनिया को इसलिए मिली पंजाब की जिम्मेदारी -संगठन से पूनिया का लंबा जुड़ाव भी पंजाब प्रभारी बनाए जाने के पीछे अहम कारण है। पूनिया ने राजनीतिक सफर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से शुरू किया। इसके बाद भाजपा संगठन और युवा मोर्चा में विभिन्न जिम्मेदारियां संभालीं। -पूनिया सितंबर 2019 से मार्च 2023 तक राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे। इस दौरान उन्होंने संगठन को मजबूत करने और कांग्रेस सरकार के खिलाफ विपक्ष की भूमिका निभाने में नेतृत्व किया। -पूनिया जाट राजनीति में भी पकड़ रखते हैं और पड़ोसी राज्य से होने के नाते पंजाब इसका असर पड़ेगा। -पूनिया 2024 में पड़ोसी राज्य हरियाणा के विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश प्रभारी बनाया गया था और प्रदेश में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के बाद उनका संगठनात्मक कद और मजबूत हुआ।-राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी भूमिकाः 2026 में उन्हें राजस्थान से राज्यसभा के लिए भाजपा का उम्मीदवार बनाया गया और राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठनात्मक जिम्मेदारी मिली। आठ वर्षों में ही पूनिया का बढ़ा राजनीतिक कद राजस्थान में जन्मे सतीश पूनिया ने लंबे संगठनात्मक अनुभव के बाद 2018 में राजस्थान की आमेर विधानसभा सीट से पहली बार चुनाव लड़ा और विधायक बने। 2019 में उन्हें राजस्थान भाजपा की कमान मिली। 23 मार्च 2023 तक वह प्रदेश अध्यक्ष रहे। 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले उन्हें हरियाणा का प्रदेश प्रभारी बनाया। यहां उन्होंने अपनी चुनावी रणनीति से पार्टी की जीत दिलाई। सरकार बनने के बाद उनका संगठनात्मक कद राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ गया। इसके बाद 2026 में पार्टी ने उन्हें राजस्थान से राज्यसभा के लिए चुना। इस तरह वह आठ वर्षों में ही सफलता के शिखर को छू गए।

लुधियाना में स्टील कारोबारी केके गर्ग और बेटा गिरफ्तार, डीजीजीआई ने की कार्रवाई

लुधियाना। रोड़ों रुपये की जीएसटी बोगस बिलिंग के मामले में डायरेक्टोरेट जनरल आफ जीएसटी इंवेस्टिगेशन (डीजीजीआई) ने शारू स्टील के संचालक केके गर्ग और उनके बेटे को गिरफ्तार किया है। गर्ग आल इंडिया फर्नेस एसोसिएशन, लुधियाना के अध्यक्ष भी हैं। इस कार्रवाई के बाद लुधियाना और मंडी गोबिंदगढ़ की स्टील फर्नेस इंडस्ट्री से जुड़े कारोबारियों में हलचल बढ़ गई है। अनुमान लगाया जा रहा है कि जीएसटी से जुड़े कथित बोगस बिलिंग मामले में विभाग की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है। शुरूआती जानकारी के अनुसार किसी कारोबारी सौदे में पीछे से जीएसटी का बिल उपलब्ध नहीं होने को लेकर विभाग की जांच इन तक पहुंची। हालांकि, मामले में वास्तविक लेनदेन, बिलिंग और कर देनदारी से जुड़े तथ्यों की विस्तृत जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। वर्ल्ड एमएसएमई के अध्यक्ष बदीश जिंदल ने इस कार्रवाई को लेकर केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्व जुटाने के उद्देश्य से अधिकारियों की ओर से इस तरह की कार्रवाई की गई है। हालांकि, यह उनका आरोप है और विभाग की ओर से मामले में जांच के आधार तथा गिरफ्तारी को लेकर विस्तृत आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है। जीएसटी बोगस बिलिंग से जुड़े मामलों में विभाग की ओर से लेनदेन के दस्तावेज, कर भुगतान और संबंधित कारोबारी गतिविधियों की जांच की जाती है। इस मामले में भी अधिकारियों की जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि कथित अनियमितता किस स्तर पर हुई और इसमें किसकी क्या भूमिका रही। फिलहाल केके गर्ग और उनके बेटे की गिरफ्तारी से स्टील उद्योग में चर्चा तेज हो गई है। कारोबारी इस मामले में आगे होने वाली कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

पंजाब में भारी बारिश का कहर, आज भी कई जिलों में होगी वर्षा; यलो अलर्ट जारी

\ **लुधियाना।** मानसून के सक्रिय होने से रविवार सुबह चार से सात बजे के दौरान पंजाब के कई जिलों में भारी वर्षा हुई। सबसे अधिक वर्षा अमृतसर में 40.1 मिलीमीटर दर्ज की गई, जबकि लुधियाना में 38.8 मिलीमीटर वर्षा हुई। वहीं, जालंधर में 15.8 मिलीमीटर, रूपनगर में 13.8 मिलीमीटर, एसबीएस नगर में 5.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। जबकि चंडीगढ़ में 2.6 मिलीमीटर, पटियाला में 3.4 मिलीमीटर व पठानकोट में 4.0 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की ई। गुरदासपुर, होशियारपुर, फतेहगढ साहिब में भी हल्की वर्षा हुई। दूसरी तरफ मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार सोमवार व मंगलवार को भी पंजाब के कई जिलों में भारी वर्षा हो सकती है। जिसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। 19 अगस्त से मौसम साफ हो जाएगा। वर्षा में गड्ढे में भर जाता है पानी राहों से जगीरपुर जाने वाली मुख्य सड़क पिछले लंबे समय से बदहाली का शिकार है। करीब डेढ़ से दो किलोमीटर लंबी इस सड़क पर कई जगह बड़े-बड़े गड्ढे पड़ गए हैं तो कई जगहों से टूट गई है। मानसून में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। वर्षा में गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लगता और लोग व वाहन चालक इसमें गिरकर घायल हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार सीवरेज का ओवरफ्लो पानी भी रोड पर आ जाता है। इस वजह से क्षेत्र में दुर्गंध के साथ-साथ बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने कहा कि कहना है कि सड़क के खराब होने का असर केवल राहगीरों पर ही नहीं, बल्कि आसपास रहने वाले लोगों पर भी पड़ रहा है। यह सड़क करीब 25 से 30 कालोनियों और आसपास के गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ती है। ऐसे में रोजाना बड़ी संख्या में लोग इसी रास्ते का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन सड़क का समाधान नहीं हो रहा है।

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आई खेप! अमृतसर में नौ तस्कर गिरफ्तार, करोड़ों की हेरोइन और हथियार बरामद

अमृतसर। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने हथियार और नशे की तस्करी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से आठ विदेशी पिस्तौल, साढ़े आठ किलो हेरोइन और 12.95 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया है कि बरामद नकदी कथित तौर पर पिछले एक सप्ताह में नशे की बिक्री से जुटाई गई थी। प्रारंभिक जांच में आरोपितों के तार विदेश में बैठे हैंडलरों से जुड़े होने की बात सामने आई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह को विदेश से निर्देश कौन दे रहा था और हथियार व नशे की खेप पंजाब तक किस माध्यम से पहुंचाई जाती थी। पुलिस के अनुसार शुरूआती जांच में यह भी सामने आया है कि बरामद हेरोइन और हथियारों की खेप पाकिस्तान में बैठे तस्करों की ओर से ड्रोन के माध्यम से भारतीय क्षेत्र में गिराई गई थी। आरोप है कि इसके बाद गिरोह के सदस्य खेप को उठाकर आगे सप्लाई करने की तैयारी में थे। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। पूछताछ के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपितों ने अब तक कितनी मात्रा में नशे की सप्लाई की और हथियार कहां-कहां पहुंचाए। इसके अलावा गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ पहले से कितने आपराधिक मामले दर्ज हैं, इसका भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस संबंधित थानों से आरोपितों का आपराधिक रिकॉर्ड जुटा रही है। पुलिस की कार्रवाई के बाद अब जांच का दायरा गिरोह के स्थानीय नेटवर्क से लेकर विदेश में बैठे हैंडलरों तक बढ़ गया है। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां कर सकती है।

पंजाब कांग्रेस में कब खत्म होगी खींचतान? कार्यसमिति की बैठक से चरणजीत चन्नी ने बनाई दूरी

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चरणजीत सिंह चन्नी बुधवार को दिल्ली में होने वाली कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में शामिल नहीं होंगे। चन्नी कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य हैं और बैठक में पंजाब से जुड़े राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा में शामिल होना था। हालांकि, जानकारी के अनुसार उन्होंने निजी कारणों का हवाला देते हुए बैठक में शामिल होने में असमर्थता जताई है। बताया जा रहा है कि चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रहे हैं और गुरुवार को उनकी अंतिम परीक्षा है। इसी कारण वह दिल्ली में होने वाली बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। हालांकि, चन्नी की ओर से बैठक में अनुपस्थित रहने के कारण को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गुटबाजी के बीच गैरमौजूदगी दिल्ली में होने वाली बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की मौजूदगी रहेगी। बैठक में देश और राज्यों से जुड़े राजनीतिक मुद्दों के अलावा संगठन की गतिविधियों और आगामी चुनावों की तैयारियों पर चर्चा होने की संभावना है। पंजाब से जुड़े विषय भी बैठक में चर्चा का हिस्सा बन सकते हैं। चन्नी की बैठक से दूरी ऐसे समय पर सामने आई है, जब पंजाब कांग्रेस में संगठन को लेकर अंदरूनी खींचतान की चर्चा लगातार बनी हुई है। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच पार्टी के भीतर अलग-अलग नेताओं के बीच मतभेद भी सामने आते रहे हैं।

चन्नी की अनुपस्थितिः राजनीति या परीक्षा! चन्नी और उनके समर्थक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को दोबारा जिम्मेदारी दिए जाने पर सवाल उठा चुके हैं।

ऐसे में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक से चन्नी की गैरमौजूदगी को राजनीतिक नजरिए से भी देखा जा रहा है। हालांकि, चन्नी की ओर से बैठक में शामिल नहीं होने की वजह परीक्षा बताई जा रही है।

उनकी गुरुवार को परीक्षा होने की जानकारी सामने आई है। इसलिए उनकी अनुपस्थिति को लेकर पार्टी के भीतर राजनीतिक अटकलों के बीच निजी कारण भी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

पंजाब मिनिस्टीरियल सर्विसेज यूनियन की हड़ताल, जालंधर में ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक और तहसील में काम कराया बंद

जालंधर। पंजाब स्टेट मिनिस्टीरियल सर्विसेज यूनियन ने 21 अगस्त तक हड़ताल पर रहने का फैसला लिया है। बुधवार को हड़ताल के दौरान यूनियन के सदस्यों ने बस स्टैंड के नजदीक स्थित स्वचालित ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक पर शुरू हुआ काम बंद करवा दिया। इस दौरान वहां अपने वाहनों के साथ पहुंचे लोगों ने यूनियन की कार्रवाई का विरोध किया और हंगामा किया। लोगों का कहना था कि पिछले कई दिनों से ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक पर काम बंद पड़ा हुआ है। बुधवार को उन्हें उम्मीद थी कि ट्रैक पर काम शुरू होगा, इसलिए वे दोपहिया और चारपहिया वाहन लेकर पहुंचे थे। इसी

दौरान पंजाब स्टेट मिनिस्टीरियल सर्विसेज यूनियन के सदस्यों ने वहां पहुंचकर काम दोबारा बंद करवा दिया। इससे वाहन चालकों में नाराजगी देखने को मिली। मौके पर पहुंचे लोगों ने कहा कि ड्राइविंग टेस्ट से जुड़े काम पहले ही कई दिनों से प्रभावित हैं। ऐसे में बार-बार काम बंद होने से उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। उनका कहना था कि वाहन लेकर पहुंचने के बाद भी काम नहीं हो पाया, जिससे उन्हें वापस लौटना पड़ा। तहसील में रजिस्ट्री का काम कराया बंद इसी तरह तहसील परिसर में संपत्तियों की रजिस्ट्री का काम भी पंजाब स्टेट मिनिस्टीरियल सर्विसेज यूनियन के नेताओं ने बंद करवा

दिया। यूनियन नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से संघर्ष किया जा रहा है। ऐसे में सभी विभागों के कर्मचारियों को इस संघर्ष में सहयोग करना चाहिए।

यूनियन की ओर से 21 अगस्त तक हड़ताल का फैसला लिया गया है। बुधवार को आंदोलन के दौरान ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक और तहसील में काम बंद करवाए जाने से आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पंजाब मिनिस्टीरियल सर्विसेज यूनियन की हड़ताल, जालंधर में ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक

जालंधर। पंजाब कैडर की आइएएस अधिकारी कंवलप्रीत बराड़ मंगलवार को जालंधर में ईडी के सामने पेश हुईं। कंवलप्रीत बराड़ को बीते दिन ईडी की ओर से समन जारी कर 18 अगस्त के दिन पूछताछ के लिए बुलाया गया था। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई मोहाली स्थित प्रोजेक्ट से जुड़े अनियमितताओं के मामले में की जा रही है। ईडी जांच के मुताबिक प्रोजेक्ट के लिए जमीन के लैंड यूज में बदलाव यानी सीएलयू की मंजूरी देने में कथित तौर पर अनियमितताएं हुई थीं। कंवलप्रीत बराड़ ईडी अपनी कार में सवार होकर ईडी दफ्तर के बाहर पहुंची और बिना किसी से बातचीत किए सीधे ईडी दफ्तर में चली गई, जहां उनसे पूछताछ की जाएगी। फर्जी सहमति पत्रों से मंजूरी लेने का आरोप जांच एजेंसी की पड़ताल सनटेक सिटी मेगा प्रोजेक्ट के लिए सीएलयू की मंजूरी हासिल करने की प्रक्रिया से भी जुड़ी है। आरोप है कि प्रोजेक्ट के लिए जमीन मालिकों के जाली हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान वाले फर्जी सहमति पत्रों का इस्तेमाल किया गया। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाए जाने की बात सामने आई है। ईडी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किस स्तर पर हुआ और मंजूरी देने से पहले संबंधित विभागों की ओर से दस्तावेजों की किस तरह जांच की गई। जांच एजेंसी प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों की भूमिका भी खंगाल रही है। 2024 में टाउन प्लानिंग विभाग की निदेशक थीं कंवलप्रीत कौर बराड़ वर्ष 2024 में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की निदेशक थीं। ईडी उनसे उस दौरान सनटेक सिटी प्रोजेक्ट को मिली मंजूरियों, सीएलयू की प्रक्रिया और संबंधित दस्तावेजों के बारे में पूछताछ कर सकती है। जांच एजेंसी यह भी जानना चाहती है कि मंजूरी के दौरान जमीन मालिकों की सहमति से जुड़े दस्तावेजों का सत्यापन किस स्तर पर किया गया था। मामले में आगे अन्य अधिकारियों और प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों से भी पूछताछ की जा सकती है। ईडी की जांच पूरी होने के बाद ही मामले में आगे की कार्रवाई की तस्वीर स्पष्ट होगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में बच्चों को नहीं मिला समान अवसर! पंजाब सरकार से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

चंडीगढ़। पंजाब के सरकारी स्कूलों, खासकर सीमावर्ती, ग्रामीण, दूरदराज और कथित रूप से कम सुविधाओं वाले क्षेत्रों में स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गंभीर रुख अपनाया है। आयोग ने आरोपों पर संज्ञान लेते हुए पंजाब सरकार के मुख्य सचिव से चार सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) मांगी है। आयोग ने यह भी पूछा है कि यदि स्कूलों में बच्चों की भागीदारी में कोई असमानता पाई गई तो उसका कारण क्या रहा और उसे दूर करने के लिए क्या कदम उठाए गए। एनएचआरसी के सहायक रजिस्ट्रार (कानून) बृजवी सिंह की ओर से 18 अगस्त 2026 को जारी पत्र में केस नंबर 810/19/0/2026 का उल्लेख किया गया है। शिकायत 17 अगस्त को आयोग के समक्ष रखी गई थी, जिस पर 18 अगस्त को आयोग ने आदेश जारी किए। झंडारोहण से राष्ट्रगान तक पर उठे सवाल आयोग के समक्ष दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया कि पंजाब के कई सरकारी स्कूलों में, विशेषकर सीमा क्षेत्र, ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में, स्वतंत्रता दिवस का आयोजन सरकारी निदेशों के अनुरूप नहीं

हुआ। आरोप है कि विद्यार्थियों को झंडारोहण, राष्ट्रगान और स्वतंत्रता संग्राम, संवैधानिक मूल्यों, मौलिक कर्तव्यों तथा राष्ट्रीय जिम्मेदारियों से जुड़ी गतिविधियों में सार्थक रूप से शामिल नहीं किया गया। इससे बेहतर संसाधनों वाले शहरी स्कूलों की तुलना में इन बच्चों को अलग शैक्षिक और नागरिक अनुभव मिलने की आशंका जताई गई। एनएचआरसी ने स्पष्ट किया कि किसी एक स्कूल में समारोह आयोजित करने के तरीके को अपने आप मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं माना जा सकता। लेकिन यदि प्रशासनिक लापरवाही, सरकारी निदेशों का पालन न करने या भौगोलिक व सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के कारण बच्चों के किसी वर्ग को शैक्षिक और नागरिक अवसरों से व्यवस्थित रूप से वंचित किया गया है तो इसकी मानवाधिकार के दृष्टिकोण से जांच जरूरी है। संविधान और शिक्षा के अधिकार का हवाला आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता और समान संरक्षण तथा अनुच्छेद 21-ए के तहत बच्चों के निश्शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार का उल्लेख किया है। साथ ही अनुच्छेद 51-ए (ए) और (बी) के तहत संविधान, उसके आदर्शों एवं संस्थाओं के सम्मान और स्वतंत्रता संग्राम से प्रेरित आदर्शों को संजोने की जिम्मेदारी का भी उल्लेख किया। आयोग ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 29(2) का हवाला देते हुए कहा कि पाठ्यक्रम और मूल्यांकन में संवैधानिक मूल्यों, बच्चे के सर्वांगीण विकास तथा उसकी ज्ञान, क्षमता और प्रतिभा के विकास को ध्यान में रखना जरूरी है। बच्चों को गतिविधि, खोज और अन्वेषण के माध्यम से बाल-केंद्रित एवं बाल-मित्र वातावरण में सीखने का अवसर मिलना चाहिए। 2017 के केंद्र और 2026 का सीबीएसई सर्कुलर सामने रखा एनएचआरसी ने कहा कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 7 अगस्त 2017 को डीओ नंबर जारी कर स्कूलों में स्वतंत्रता दिवस मनाने संबंधी निर्देश दिए थे। इनमें उत्सव और देशभक्ति का वातावरण बनाने, स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों को याद करने, शपथ दिलाने तथा स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय उद्देश्यों से जुड़ी गतिविधियां कराने की बात थी। आयोग ने सीबीएसई के 4 अगस्त 2026 के सर्कुलर नंबर अूं.-53/2026 का भी संज्ञान लिया है। किन बिंदुओं पर पंजाब से रिपोर्ट मांगी मुख्य सचिव से मांगी गई रिपोर्ट में यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि स्कूलों में बच्चों की भागीदारी में कोई असमानता थी या नहीं। यदि थी तो इसके पीछे प्रशासनिक निर्देश, निगरानी की कमी, संसाधनों की कमी, भौगोलिक बाधाएं, शिक्षकों या अधिकारियों की अनुपस्थिति, आधारभूत ढांचे की कमी अथवा कोई अन्य कारण जिम्मेदार था या नहीं। साथ ही सरकार को सुधारात्मक कदमों का ब्योरा और उनसे संबंधित दस्तावेज भी देने होंगे।

केंद्र से भी मांगा जवाब एनएचआरसी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव से 2026 में स्कूलों में स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए जारी दिशा-निर्देश और देशभर में बच्चों की समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों की रिपोर्ट मांगी है। मंत्रालय को भी चार सप्ताह में जवाब देना होगा।

गृह मंत्रालय के सचिव को मामले की जांच कर अपने स्तर पर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है। राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रमों को सार्थक बनाने के निर्देश आयोग ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया है कि भविष्य में राष्ट्रीय दिवस के कार्यक्रम केवल औपचारिक या रस्मी आयोजन तक सीमित न रहें।

उम्र के अनुरूप बच्चों को स्वतंत्रता संग्राम, संवैधानिक मूल्यों, राष्ट्रीय प्रतीकों, नागरिक कर्तव्यों, लोकतांत्रिक संस्थाओं, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव की सार्थक जानकारी दी जाए।

आयोग ने कहा कि देशभक्ति से जुड़ी गतिविधियां बच्चे के शैक्षणिक, शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक विकास को प्रभावित किए बिना समग्र शिक्षा का हिस्सा होनी चाहिए।

मुख्य सचिव को आयोग के निदेर्शानुसार चार सप्ताह में विस्तृत और दस्तावेजों से समर्थित कार्रवाई रिपोर्ट भेजनी होगी।

पत्र के साथ शिकायत की प्रति भी संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है।

प्रेगनेंसी में एक्सरसाइज

कई महिलाएं गर्भावस्था में ज्यादा भारी काम या व्यायाम से भी परहेज करती हैं। अमेरिकन कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रिसियंस के अध्ययन ने इस बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि जो गर्भवती महिलाएं भारी एक्सरसाइज जैसे दौड़ना या भार उठाना जैसे काम करती हैं, उनकी अपेक्षा ऐसी गर्भवती महिलाएं ज्यादा हैं जो तीसरी तिमाही तक हल्के-फुल्के एक्सरसाइज करना ही पसंद करती हैं। वास्तव में गर्भावस्था के दौरान गर्भवती महिला को अपना अतिरिक्त ध्यान रखना होता है, इसलिए जब भी कोई काम करें या एक्सरसाइज करें तो बीच-बीच में ब्रोक जरूर लें। जब भी प्यास लगे तो पानी पीना बिल्कुल न भूलें, यह आपको ओवरहीटेड होने से बचाएगा।

मिथक या सच गर्भावस्था के दौरान एबडोमिनल यानी उदर संबंधी काम नहीं करने चाहिए।

मिथक : यह सही नहीं है, बल्कि विशेषज्ञों का कहना है कि उदर संबंधी काम कई स्थितियों में फायदा पहुंचाता है। आपके पेट और पेट के पूरे कोर में गर्भावस्था के दौरान खिंचाव आता है। इस तरह से उदर से संबंधित काम करना गर्भावस्था में सहायता करता है। इससे लेबर पेन और डिलेवरी के बाद रिकवरी में भी आसानी होती है।

मिथक या सच : अगर आप धावक हैं और गर्भावस्था के दौरान भी आप दौड़ना जारी रख सकती हैं।

सच : लंबे समय तक अगर आपकी प्रेगनेंसी बिल्कुल स्वस्थ है और आप खुद को बिल्कुल स्वस्थ महसूस करती हैं तो विशेषज्ञ आपको इसके लिए इजाजत दे देंगे। आप अपने डॉक्टर को अपने एक्सरसाइज प्लान के बारे में बताएं और उनकी बताई सावधानियों का पालन करें।

मिथक या सच : गर्भावस्था के दौरान सभी एक्सरसाइज सुरक्षित नहीं हैं।

सच : कई ऐसे एक्सरसाइज हैं जिनमें संतुलन की आवश्यकता होती है, जैसे टू व्हीलर ड्राइविंग आदि गर्भावस्था में खतरनाक साबित हो सकते हैं। चौथे महीने के बाद आपका शरीर उतनी अच्छी तरह संतुलन नहीं बिठा पाता जितना शुरुआती महीनों में। इसलिए इस तरह की किसी भी गतिविधि से परहेज करें।

मिथक या सच : गर्भावस्था से पहले कभी एक्सरसाइज नहीं किया है तो गर्भावस्था के दौरान उसे शुरू नहीं करना चाहिए।

सच : वास्तव में अगर आपने पहले कभी एक्सरसाइज नहीं किया है तो गर्भावस्था के दौरान अचानक कोई भी भारी एक्सरसाइज एकदम से शुरू न करें। हां, प्रतिदिन टहलना या फिर स्वीमिंग जैसे एक्सरसाइज आपको आर्श्चजनक परिणाम दे सकते हैं।

हेल्थ प्लस

स्वास्थ्य के लिए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स

- एक दिन में दो बार से ज्यादा कॉफी न पिएं।
- पांच बजे शाम के बाद गरिष्ठ भोजन करने से बचें।
- सुबह पानी ज्यादा पिएं, शाम को कम। क्योंकि दिन में हमारे शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जबकि रात का यह प्रक्रिया धीमी पड जाती है। इसलिए रात में ज्यादा पानी से पाचन क्रिया प्रभावित हो सकती है।
- अगर आपकी त्वचा अकसर लाल हो जाती है तो यह हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या हार्ट ट्रबल का संकेत हो सकती है।
- पेक्टिन रिचफ्रूट की तरह ही जई का आटा भी सीरम कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायता करता है।
- जो भी ऑयली फूड ले रहे हैं उसमें ऑयल की मात्रा कम करें।
- सप्ताह में एक बार कोई नया फल या सब्जी जरूर खाएं।
- काम करते हुए मेज पर कटे फलों का एक बोल रखें।
- तनाव होने पर मुसकराएं और गहरी सांसें भरें।
- जो काम नहीं हो सकता उसके लिए न कहना सीखें। व्यर्थ तनाव से बचे रहेंगे।

रोजाना खाएं केले

केला हर मौसम में सरलता से उपलब्ध होने वाला अत्यंत पौष्टिक एवं स्वादिष्ट फल है। केला रोचक, मधुर, शक्तिशाली, वीर्य व मांस बढ़ाने वाला, नेत्रदोष में हितकारी है। पके केले के नियमित सेवन से शरीर पुष्ट होता है। यह कफ, रक्तपित्त, वात और प्रदर के उपद्रवों को नष्ट करता है।

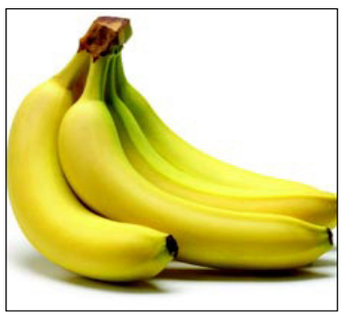

- यदि महिलाओं को रक्त प्रवाह अधिक होता है, तो पके केले को दूध में मसल कर कुछ दिनों तक खाने से लाभ होता है।
- बार-बार पेशाब आने की समस्या से परेशान हों, तो चार तोला केले के रस में दो तोला घी मिलाकर पीने से फायदा होता है।
- यदि शरीर का कोई हिस्सा जल जाए, तो केले के गूदे को मसल कर जले हुए स्थान पर बांधें। इससे जलन दूर होकर आराम मिलता है।
- पेचिश रोग में थोड़े-से दही में केला मिलाकर सेवन से फायदा होता है।
- संग्रहणी रोग होने पर पके केले के साथ इमली तथा नमक मिलाकर सेवन करें।
- दाद होने पर केले के गूदे को नीबू के रस में पीस कर पेस्ट बनाकर लगाएं।
- पेट में जलन होने पर दही में चीनी और पका केला मिलाकर खाएं। इससे पेट संबंधी अन्य रोग भी दूर होते हैं।
- अल्सर के रोगियों के लिए कच्चे केले का सेवन रामबाण औषधि है।
- केला खून में वृद्धि करके शरीर की ताकत बढ़ाने में सहायक है। यदि प्रतिदिन केला खाकर दूध पिया जाए, तो कुछ ही दिनों में व्यक्ति तंदुरूस्त हो जाता है।
- चोट लग जाने पर खून का बहना न रूके तो उस जगह पर केले के डंठल का रस लगाने से लाभ होता है।
- केला छोटे बच्चों के लिए उत्तम व पौष्टिक आहार है। इसे मसलकर या दूध में फेंटकर खिलाने से लाभ मिलता है।
- केले में मैग्नीशियम की काफी मात्रा होती है, जिससे शरीर की धमनियों में खून पतला रहने के कारण खून का बहाव सही रहता है। इसके अलावा पूर्ण मात्रा में मैग्नीशियम लेने से कॉलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है।
- केले का नियमित सेवन कई रोगों से बचाकर रखता है।

नींद में बाधक है चाय

आधुनिक युग में चाय देश की सभ्यता का अनिवार्य बन गई है। आज के युग में घर आए अतिथि का स्वागत चाय के बिना अधूरा सा लगता है। चाय से लोगों को बहुत लगाव तो है किन्तु वे यह नहीं जानते कि यह स्फूर्तिदायक और लाभदायक न होकर अनेक रोगों को बुलावा देती है। वैज्ञानिकों द्वारा खोज करने पर पता चला है कि चाय में तीन प्रकार के मुख्य विष पाए जाते हैं। ये विष हैं थीन, टेनिन तथा कैफीन। आइए, इन तीनों प्रकार के विष के संबंध में आपको जानकारी उपलब्ध कराते हैं:-

थीन

चाय पीने से एक हल्का सा आनंद मिलता है, जो इसा 'थीन' नामक विष का प्रभाव होता है। यह हमारे ज्ञान तंतुओं पर बहुत विषैला प्रभाव डालता है।

टेनिन

यह कब्ज करने वाला पदार्थ है और पाचन शक्ति को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। शरीर पर इस विष का प्रभाव शराब से बिल्कुल मिलता-जुलता है। शुरू में ताजगी अनुभव होती है परन्तु थोड़ी देर में नशा उतर जाने पर खुश्की और थकान पैदा होती है, जिसके कारण अधिक चाय पीने का मन करता है।

कैफीन

यह एक बहुत ही भयंकर विष है। इसका प्रभाव शराब या तम्बाकू में पाए जाने वाले विष 'निकोटीन' के समान होता है। इससे शरीर बहुत जल्दी निर्बल और खोखला हो जाता है। यह दिल की धड़कन को बढ़ाता है और इसके सेवन से कभी-कभी तो व्यक्ति की धड़कन एकदम बंद हो जाती है और व्यक्ति मौत का शिकार हो जाता है। 'कैफीन' विष का ही प्रभाव है कि नशे के वशीभूत होकर व्यक्ति इसका आदी हो जाता है। यह शरीर एवं मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव डालता है। विशेषज्ञों के मतानुसार चाय का नशा अंदर ही अंदर अपना कार्य करता रहता है और धीरे-धीरे कुछ ही दिनों में शरीर को घुन की तरह खा जाता है। शरीर से बाहर निकलने वाली गैसों को चाय अंदर ही रोक लेती है, जिससे चाय पीने से कुछ समय के लिए हमें शक्ति का झूठा अनुभव होता है।

चाय पीने से 'कैफीन' विष के कारण मूत्र की मात्रा में लगभग तीन गुना वृद्धि हो जाती है परन्तु उसके द्वारा शरीर का दूषित मल, जिसका शरीर की शुद्धि के लिए मूत्र द्वारा बाहर निकलना आवश्यक है, वह शरीर के अंदर ही जमा रहता है। फलस्वरूप ऐसे व्यक्तियों को गठिया, गुर्दे और हृदय संबंधी रोगों का शिकार होना पड़ता है। आज हृदय तथा रक्त वाहिनियों के रोगों से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या में दिन-प्रतिदिन वृद्धि हो रही है और इसका मुख्य चाय का दिनोंदिन बढ़ता चलन ही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जब चाय का अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है तो उसके नशीले पदार्थ की अपेक्षा टेनिन एसिड के कारण पेट में गड़बड़ी होती है। बादी, पेट फूलना, पेट दर्द, कब्ज, बदहजमी, हृदय गति अनियमित रूप से चलना और नींद का न आना आदि समस्याएं चाय पीने वाले लोगों में अक्सर पाई जाती हैं। अधिक चाय पीने से दांतों एवं नेत्रों के विभिन्न रोग भी पैदा होने लगते हैं तथा चेहरे की कान्ति भी नष्ट होती जाती है। व्यापारियों ने प्रचार के लिए लाखों पैकेट मुफ्त बांटकर और इसके संबंध में झूठी प्रशंसा करके गरीबों को भी चाय का चस्का लगा दिया है और अब यह गरीब और अमीर हर किसी का आवश्यक पेय बन गई है और हालत यह हो गई है कि भोजन चाहे मिले या न मिले पर चाय समय पर अवश्य मिलनी चाहिए लेकिन मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले चाय के कुप्रभावों को देखते हुए यही कहना तर्कसंगत लगता है कि इस विनाशकारी चाय का सेवन बिना विलम्ब किए छोड़ देने में ही समस्त मानव जाति की भलाई है।

पेट दर्द को साधारण न लें

क्या बेहद परेशान करने वाला पेट का दर्द आपको बेचैन व तनावग्रस्त कर रहा है? आपकी नींद उड़ा रहा है? खैर, इससे आपका सिर्फ दिमाग ही परेशान नहीं है बल्कि आपके पेट की गहराई में कुछ गड़बड़ है, आपके बाउल में। यह आईबीएस हो सकता है। इसे स्पास्टिक कोलन भी कहते हैं। आईबीएस फंक्शन बाउल सिंड्रोम है। इसमें हल्का या तेज पेट का दर्द होता है, कब्ज या दस्त और बाउल आदत अदलती-बदलती रहती हैं, लेकिन आईबीएस आंतों को स्थायी नुक्सान नहीं पहुंचाता। आप इसके लक्षणों को सही आहार लेकर नियंत्रित कर सकते हैं। साथ में तनाव प्रबंधन व सही दवाओं की भी जरूरत पड़ सकती है।

लक्षण

आईबीएस के कोई विशेष कारण नहीं हैं। यह अक्सर बड़ी आंत या कोलन की संवेदनशीलता की वजह से होता है। आपको निम्न बातों पर विशेष गौर करना है-

- बड़ी आंत में बेचैनी।
- साल में 10-12 सप्ताह लूज मोशन होना।
- पेट में बार-बार दर्द होना।
- स्टूल में स्पाट/ब्लीडिंग।
- आधी रात में उठकर टायलेट जाना।
- कम समय में अधिक वजन कम होना।
- बाउल आदतों में तब्दीली।
- डिप्रेशन, तनाव एंग्जाइटी।

तनाव

यह बात सुनने में शायद अजीब लगे, लेकिन तनाव की वजह से आईबीएस पीड़ितों में कोलन स्पाजम हो सकते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कोलन की अनेक नर्व दिमाग से जुड़ी होती हैं। यह नर्व कोलन के सिकुड़ने को नियंत्रित करती हैं और जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो पेट में परेशानी पैदा कर देती हैं।

पेट का इलाज

आई बीएस पीड़ित अक्सर जल्दी-जल्दी डाक्टर बदलते रहते हैं, इस सोच के साथ कि किसी के पास तो कोई इलाज होगा, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि यह कोई रोग नहीं है बल्कि फंक्शनल डिसआर्डर है। कुछ दवाएं भी इसे नियंत्रित कर सकती हैं इसलिए अपने डाक्टर से संपर्क करें। सही दिशा-निर्देशों पर अमल करने से समस्या के समाधान में काफी मदद मिल सकती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3983

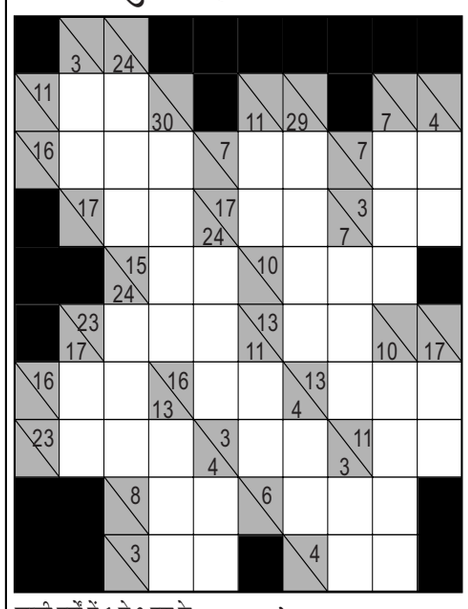

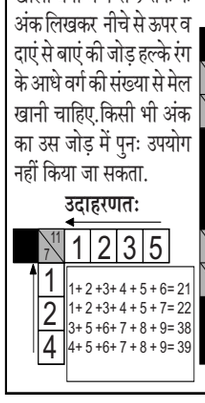

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3982 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली- 'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले- 'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली- 'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूँ.'

□ □ □

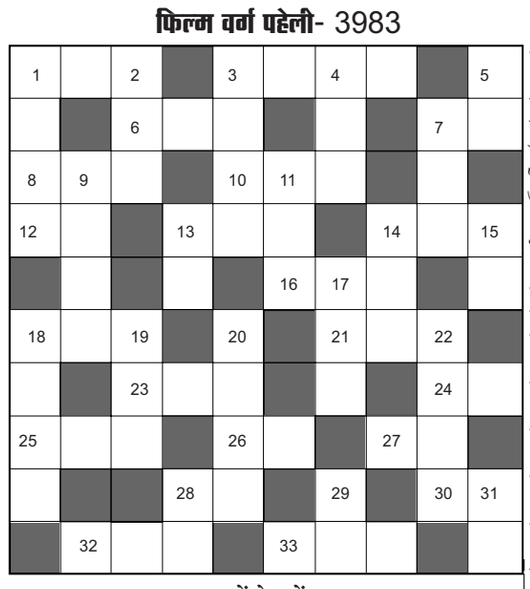

एक दोस्त ने दूसरे से कहा- 'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है- 'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3983

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3982

सूडोकु -3983

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 3982 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3983

बाएँ से दाएँ

1. जानकारी-4
4. मांसाहार का उलट-4
8. 'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9. कायाकल्प-5
10. पिता के छोटे भाई-2
13. कहानी लिखने वाला-5
15. नाम रखना-5
17. बेवक्त,अकाल-5
20. प्रयास,कोशिश-5
23. टोंटी,नलका-2
24. कामदेव,पुष्कर-2,3
25. डर,भय-4
28. शोर-शराबा-4
29. बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2. बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3. गोलाकार-3
4. सम्मिलित होना-3,2
5. घाटा,नुकसान-2
6. मूर्ख,बेवकूफ-4
7. बिना कारण,बेवजह-4
11. राजा की पत्नी-2
12. वहम,संदेह-2
14. दुर्घटना-3
16. खाना बनाने की जगह,किचन-3
17. एकाएक, सहसा-4
18. अलमस्त-2
19. कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20. आरामदायी-5
21. सम्मान-2
22. भलमानसता-4
26. सद्,अच्छा-2
27. मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली -3982 का हल

व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा मामले में जान्हवी कपूर को राहत

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने तमाम सहूलियतें दी हैं, तो इसके नुकसान भी हैं। एआई के जरिए किसी की तस्वीरों व वीडियो आदि से छेड़छाड़ कर गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी की प्रतिष्ठा दांव पर लग सकती है। इसके नुकसान को लेकर फिल्मी सितारे काफी सतर्क हैं और उन्होंने अदालत का रुख किया है। बीते दिनों तब्बू ने कोर्ट का दरवाजा खटखाया था। कोर्ट ने उन्हें राहत भी दी। इसके बाद जान्हवी कपूर ने भी अपने व्यकित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग की।

जान्हवी कपूर ने क्या मांग की?

जान्हवी कपूर ने अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था।अभिनेत्री ने 5,000 से अधिक वेबपेज, पोस्ट और एआई कंटेंट हटाने की मांग की थी। साथ ही फैन पेज पर रोक लगाने की भी मांग की। बीते दिन मंगलवार को कोर्ट ने जान्हवी से जुड़े अश्लील और पोर्नोग्राफिक ऑनलाइन कंटेंट को हटाने का अंतरिम आदेश दिया। अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने 5,000 से अधिक वेबपेज, सोशल मीडिया पोस्ट, एआई-जनरेटेड पोर्नोग्राफिक कंटेंट, फर्जी अकाउंट, नकली बुकिंग एजेंसियों और चैटबॉट्स को हटाने की मांग की थी। अदालत ने कहा कि याचिका में मांगी गई राहत और दलीलें व्यापक हैं। अदालत ने जान्हवी कपूर के वकील को उन वेबपेजों की सूची देने को कहा गया, जिन पर स्पष्ट रूप से अश्लील कंटेंट है अथवा उनके व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री की जा रही है। हालांकि, अदालत ने फैन पेज हटाने से इनकार कर दिया है। ऐसा करते हुए कोर्ट ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला दिया।

तब्बू ने भी खटखटाया था दरवाजा

इससे पहले व्यक्तिव अधिकारों को लेकर तब्बू ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले में अदालत ने अभिनेत्री को राहत दी। कोर्ट ने तब्बू के नाम, तस्वीर, आवाज या व्यक्तित्व की अन्य विशेषताओं का बिना अनुमति व्यावसायिक या अनुचित इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। इसी के साथ अदालत ने कई डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को आदेश दिया गया है कि वे तब्बू से जुड़े एआई जेनेरेटिड, डीपफेक, अपमानजनक व आपत्तिजनक कंटेंट को तुरंत हटाएं।

ये सितारे भी पहुंचे अदालत की शरण में

इससे पहले बीते महीने ही अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने अपनी एआई से बनीं डीपफेक तस्वीरों और मॉर्फ्ड कंटेंट के खिलाफ अदालत का रुख किया। उन्होंने याचिका दायर कर इस किस्म के कंटेंट पर तुरंत रोक लगाने की मांग की। इस मामले में उन्हें भी अदालत से राहत मिली। पब्लिसिटी और व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की मांग करते हुए अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय भी अदालत का दरवाजा खटखटा चुके हैं। इनके अलावा ऋतिक रोशन, करण जौहर, अक्षय कुमार, कुमार सानू और अक्किनेनी नागार्जुन समेत तमाम सितारे अपने व्यक्तित्व अधिकार की सुरक्षा की मांग करते हुए अदालत की शरण में पहुंच चुके हैं।

तकनीक कभी भी कला की जगह नहीं ले सकती

अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों वेब गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के 5वें सीजन में जज और मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि एआई किसी भी इंसानी चीजों की जगह नहीं ले सकता है। गेमिंग शो के प्रमोशन के दौरान मुंबई में अभिनेत्री ने बातचीत की। इस दौरान अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या तकनीक कला को खत्म कर रही है। इस सवाल का जवाब अभिनेत्री ने बड़ी सहजता से दिया। उन्होंने कहा, 'तकनीक कभी भी असली आर्ट को रिप्लेस नहीं कर सकती है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने भी ऐसे शो हों, जिनमें एआई का इस्तेमाल किया गया हो। हमने अपने शो में एक एआई कॉन्सेप्ट भी शामिल किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम इस शो में एआई को मेंटर बना देंगे, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी हो सकता है।'
हालांकि, अभिनेत्री ने भी माना कि कुछ हद तक, विजुअल एंटरटेनमेंट में, एआई बेहतर बनाने के लिए एक कारगर टूल हो सकता है। बता दें कि अभिनेत्री इन दिनों अरुष भोला, एल्विश यादव के साथ गेमिंग रियलिटी शो में मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। ये तीनों इस सीजन में अलग-अलग टीमों का नेतृत्व करते नजर आएंगे। इसके अलावा, इस शो के मुख्य फाउंडर्स और निर्माताओं (जैसे कैरी मिनाटी, मोर्टल और ट्रिगर इनसान) भी अलग-अलग रूपों में इस सीरीज से जुड़े हुए हैं। शो की बात करें, तो यह भारत का पहला गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स रियलिटी शो है, जो एंटरटेनमेंट, कंपटीशन और इन्फ्लुएंसर कल्चर को एक साथ मिलाकर बना शो है। यह शो वर्चुअल प्लेग्राउंड के कॉन्सेप्ट पर बना हुआ है। इसमें यंग क्रिएटर्स, गेमर्स और इंटरनेट की मशहूर हस्तियां एक साथ आती हैं। इसमें अलग-अलग चैलेंज में हिस्सा लिया जाता है और साथ ही दोस्ती, दुश्मनी और टीम वर्क को भी मैनेज किया जाता है। यह शो प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया जा रहा है।

अब खुद को निर्दोष साबित करना चाहती हूं

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती 'द ट्रेटर्स' सीजन 2' का हिस्सा हैं। इस शो में एक बातचीत के दौरान रिया ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद अपने ऊपर हुई जांच-पड़ताल के बारे में बात की है। रिया ने कहा... शो 'द ट्रेटर्स 2' में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने कहा कि कई साल तक शक के दायरे में रहने के बाद अब वह लोगों के नजरिए में निर्दोष साबित होना चाहती हैं। रिया ने कहा मैं कई साल तक संदेह के घेरे में रहने के बाद खुद को निर्दोष साबित करना चाहती हूं। कई साल मैंने लोगों के शक में रहकर गुजारे हैं। मैं अब इसे खत्म करना चाहती हूं। मुझे इस साल क्लीन चिट मिल चुकी है। मैं चाहती हूं कि सब मुझे बेगुनाह समझें।

क्या है 'द ट्रेटर्स 2'

द ट्रेटर्स की कहानी दो ग्रुप्स के इर्द-गिर्द घूमती है। इस ग्रुप में इनोसेंट्स को मिलकर छिपे हुए गद्दारों की पहचान करनी होगी और उन्हें प्रतियोगिता से बाहर होने से पहले ही खत्म करना होगा। वहीं, गद्दार अपनी पहचान छिपाते हुए चुपके से दूसरों के खिलाफ साजिश रचते हैं।

इमरान हाशमी ने ली आवारापन से 10 गुना ज्यादा फीस!

इमरान हाशमी की कल्ट क्लाकिस फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल 'आवारापन 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। फिल्म में दिशा पटानी और शबाना आजनी भी अहम किरदारों में है। इन एक्टर्स ने फिल्म के लिए कितनी फीस चार्ज की है। फिल्म 'आवारापन 2' को लेकर दर्शकों के बीच काफी बज बना हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले अब इसकी स्टारकास्ट की कथित फीस को लेकर भी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी फिल्म के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं।

दिशा पटानी की फीस कितनी

फिल्म में दिशा पाटनी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें 'आवारापन 2' के लिए करीब 5 करोड़ रुपये फीस मिल रही है। दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी भी 'आवारापन 2' का हिस्सा हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें करीब 2 करोड़ से 5 करोड़ रुपये के बीच फीस दी गई है। फिलहाल ये सभी फीस के आंकड़े रिपोर्ट्स पर आधारित हैं और मेकर्स या कलाकारों की तरफ से इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

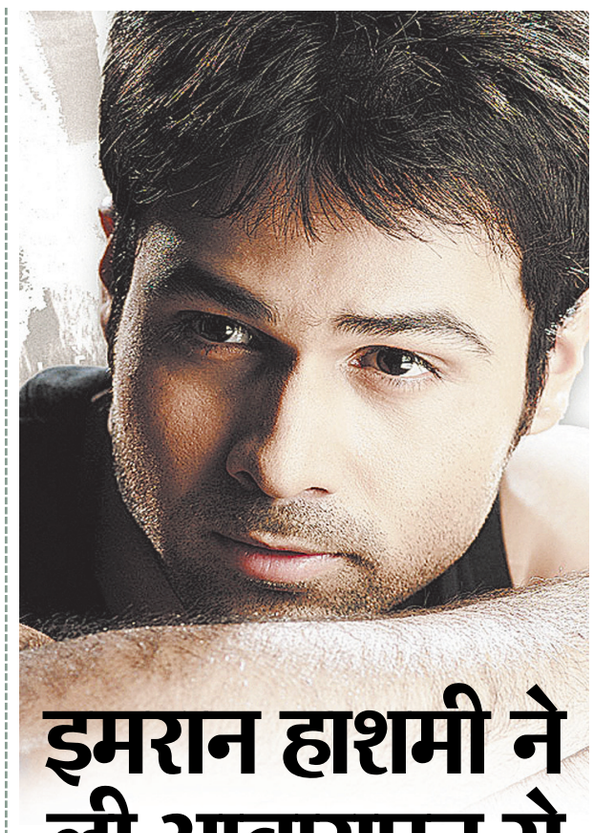

रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी को 'आवारापन 2' में अपने आइकॉनिक किरदार शिव पंडित को दोबारा निभाने के लिए करीब 12 करोड़ रुपये फीस दी जा रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फीस उन्हें 2007 में आई पहली फिल्म 'आवारापन' के लिए मिली रकम से करीब 10 गुना ज्यादा है।

द डिप्लोमैट के बाद फिर साथ काम करेंगे जॉन अब्राहम और शिवम नायर?

फिल्म 'द डिप्लोमैट' के बाद जॉन अब्राहम एक बार फिर शिवम नायर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। ऐसी चर्चा है कि दोनों ने आगामी प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों जिस एक्शन थ्रिलर फिल्म पर काम कर रहे हैं, उसका अभी कोई नाम नहीं रखा गया है। इसमें दो मेल लीड होंगे।

जॉन को तुरंत पसंद आया फिल्म का कॉन्सेप्ट

रिपोर्ट्स के मुताबिक जॉन की अगली फिल्म एक कमर्शियल एंटरटेनर होगी। इसे शिवम नायर के अब तक के सबसे मेनस्ट्रीम प्रोजेक्ट्स में से भी एक बताया जा रहा है। हालांकि, फिल्म की बाकी कास्ट और दूसरे हीरो को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार, शुरुआती बातचीत के दौरान ही जॉन अब्राहम को यह प्रोजेक्ट पसंद आ गया। पोर्टल की रिपोर्ट के मुताबिक, 'जॉन इस कॉन्सेप्ट से बहुत प्रभावित हुए और तुरंत इसके लिए तैयार हो गए'। जॉन की इस फिल्म को लेकर खबर है कि मेकर्स इस साल के आखिर तक फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। आने वाले महीनों में प्रोडक्शन शेड्यूल तय होने की उम्मीद है। फिलहाल इस प्रोजेक्ट को 2027 के आखिर में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। मेकर्स की ओर से आधिकारिक एलान होने के बाद ही फिल्म के टाइटल, कास्ट और प्रोडक्शन के बारे में और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

फिल्म 'द डिप्लोमैट' साल 2025 में आई

जॉन अब्राहम और शिवम नायर ने पहली बार फिल्म 'द डिप्लोमैट' में साथ काम किया था। यह फिल्म साल 2025 में रिलीज हुई थी। 2025 में आई यह फिल्म उज्मा अहमद की असल जिंदगी की कहानी और पाकिस्तान में बंधक बनाए जाने के बाद भारत लौटने की उनकी कोशिशों पर आधारित थी। जॉन ने भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर जे पी सिंह का किरदार निभाया।

जॉन अब्राहम के कई प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं

शिवम नायर की फिल्म के अलावा जॉन अब्राहम के पास कई और प्रोजेक्ट्स हैं। उनकी आगामी फिल्मों में 'फोर्स 3' शामिल है। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म 19 मार्च, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जॉन मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर राकेश मारिया की बायोपिक से भी जुड़े हैं, इसका नाम अभी तय नहीं है। रोहित शेट्टी इस प्रोजेक्ट को डायरेक्ट करेंगे।

रुक्मिणी वसंत ने शुरू की अपनी अगली फिल्म शूटिंग की

रुक्मिणी वसंत का करियर रुकने का नाम ही नहीं ले रहा! एक के बाद एक नए प्रोजेक्ट्स के साथ अब एक्ट्रेस ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, यानी उनकी बढ़ती-चढ़ती फिल्मोग्राफी में एक और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट की एंट्री हो गई है। हाल ही में रुक्मिणी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए शूटिंग शुरू होने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी। इस अनटाइटल्ड मलयालम फिल्म में रुक्मिणी के साथ मलयालम स्टार निन पाउली नजर आएंगे। यानी साउथ के दो टैलेंटेड स्टार्स का ये कॉम्बिनेशन पहले से ही काफी इंटरेस्टिंग लग रहा है। सेट से एक झलक शेयर करते हुए रुक्मिणी ने लिखा, 'और बस, ये सफर शुरू हो गया।
किसी ऐसी जगह का हिस्सा बनना, जिसे आपने इतने लंबे समय तक दूर से निहारा और सराहा हो, अपने आप में बेहद खास एहसास है। और अब उसी जगह का एक छोटा सा हिस्सा बन पाना मेरे लिए वाकई बहुत स्पेशल फर्स्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए दिल से शुक्रगुज़ार हूँ '। अब फिल्म की टीम भी इसकी एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है। इस प्रोजेक्ट को चार्ली और नयट्ठू जैसी शानदार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर-प्रोड्यूसर मार्टिन प्रक्कट का सपोर्ट मिला है। वहीं जय जय जय जय जय हे के राइटर्स में शामिल रहे नाशिद इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। रुक्मिणी वसंत और निन पाउली के साथ इन नामों का जुड़ना हक्क1 को मलयालम सिनेमा की मोस्ट इंटरेस्टिंग अपकमिंग फिल्मों में से एक बना रहा है। सप्त सागरदाचे एलो और कंतारा जैसी फिल्मों में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से रुक्मिणी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। कभी सिर्फ एक प्रॉमिसिंग कन्नड़ टैलेंट के तौर पर देखी जाने वाली रुक्मिणी अब धीरे-धीरे पूरे साउथ इंडियन सिनेमा में सबसे ज्यादा डिमांड वाली यंग एक्ट्रेसेस में अपनी जगह बना चुकी हैं। रुक्मिणी अब टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर भी तैयार हैं। इसके अलावा उनके खाते में मच-अवेटेड बिग-टिकट फिल्म ड्रैगन भी है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।